INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-31 | मथुरा, शुक्रवार, 28 मार्च 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

थार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, दो की मौत

मृतकों के परिवार की बिलखती एक बालिका।

दुर्घटनाग्रस्त ई-रिक्शा को देखती हुई लोगों की भीड़।

दो लोगों की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

मरने वालों में है चालक और सब्जी विक्रेता

जाम लगाते परिजनों को पुलिस ने समझा कर हटाया

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर राधापुरम स्टेट के समीप सब्जी मंडी जाते एक ई-रिक्शा को तेज रफ्तार थार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। सब्जी विक्रेता और ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ दो लोग घायल हो गए। घायलों के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। जिसके चलते हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई। शुक्रवार की प्रातः राधेश्याम कॉलोनी थाना गोविंदनगर निवासी सब्जी विक्रेता अय्यूब वहीं के रहने वाले फूल सिंह की ई-रिक्शा से सब्जी लेने के लिए सब्जी मंडी जा रहा था। ई रिक्शा में रजिया और एक युवक भी सवार थे। बताया गया जैसे ही ई-रिक्शा हाईवे पर राधापुरम स्टेट के समीप आगरा की ओर जा रहा था। इसी बीच तेजगति से दौड़ती थार कार ने ई-रिक्शा को इतनी जबरदस्त टक्कर मारी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। इसके साथ ही ई-रिक्शा चालक फूल सिंह और अय्यूब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रजिया और युवक बुरी तरह से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद थार चालक कार को मौके पर ही छोड़ कर भाग निकला। दुर्घटना का पता लगने पर मृतकों के परिवारीजन घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया गया कि थार कार में शराब और नमकीन मिलने पर मृतकों के परिवारीजनों सहित अन्य लोग आक्रोश में आ गए। लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस को पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह परिवार के लोगों को समझाया और शवों को मोरचरी भेज दिया। जाम के चलते वाहनों की लाइन लग गई। इसी बीच एक ट्रक बाजना पुल पर खराब हो गया। जिसके चलते आगरा दिल्ली मार्ग पर भी जाम लग गया। इस तरह हाईवे पर माहेश्वरी हॉस्पिटल तक वाहनों की लंबी लाइन लग गई। काफी प्रयास के बाद पुलिस ने जाम को खुलवाने के बाद मार्ग को सुचारू किया।

एनएच 19 पर जाम में फंसे वाहनों की कतार का नजारा।

कबाब की गर्मी या वर्दी का गुरूर?

पुलिसवालों ने मचाया बवाल!

कबाब खाने के बाद नहीं दिए पैसे, विकलांग और बुजुर्ग को पीटा

भीड़ ने भी तीनों को जमकर पीटा

मौके पर पहुंची पुलिस ने चलाई जमकर लाठियां

भीड़ ने भी जमकर किया पथराव और मारपीट

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। तीन सिपाही बीती रात प्राइवेट कार से नक्कासा में कबाब खाने के लिए गए। तीनों सिपाहियों ने वहां हंगामा किया। विकलांग और एक बुजुर्ग को पीटने पर लोगों ने सिपाहियों के साथ जमकर मारपीट की। थाने से आई पुलिस ने लोगों पर लाठियां चलाई। भीड़ ने भी जमकर पथराव किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार थाने में तैनात तीन सिपाही बीती रात नक्कासा इलाके में कबाब की दुकान लगाने वाले एक दुकान पर पहुंचे। ऑल्टो कार से आए सादा कपड़ों में शराब के नशे में धुत तीनों सिपाहियों ने जमकर कबाब खाए और दुकानदार को पैसे भी नहीं दिए। इसके बाद कार को बैक करने के दौरान वहां ई-रिक्शा लेकर खड़े विकलांग अनीस के ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। विकलांग के इतना कहने पर कि तुम देख कर गाड़ी बैक करो। तीनों सिपाहियों ने विकलांग को बुरी तरह से पीट दिया। इसके चलते वहां काफी लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। भीड़ में एक बुजुर्ग ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया। इस पर सिपाही ने उसके गाल पर भी थप्पड़ मार दिया। इस तरह हर किसी के साथ मारपीट करते देख भीड़ आक्रोशित हो गई। भीड़ ने तीनों सिपाहियों को जमकर पीट दिया। थाने में सिपाहियों के साथ हुई इस वारदात का पता लगने पर बड़ी संख्या में पहुंचे पुलिस कर्मियों ने भीड़ पर जमकर लाठियां चलाई। कोसीकलां में हुए इस बवाल की खबर लगने पर सीओ और एसपीआरए ने मौके पर पहुंचकर मामले को संभाल लिया। घायल सिपाहियों को अस्पताल भेज दिया। यूनिक समय सिपाहियों के नशे में धुत्त होने की खबर की पुष्टि नहीं करता है।

नक्कासा में हुए बवाल में पुलिस ने कराई रिपोर्ट

24 नामजद और 10-20 अज्ञात

पुलिस ने गिरफ्तार किए तीन नामजद

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के नक्कासा क्षेत्र में रात में हुए इस मामले को अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर निपटा दिया था। इसके बाद इस मामले मे दरोगा ने अपनी तरफ से पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट कर तीन पुलिस कर्मियों को घायल करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में 22 नामजदों और 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बताया गया कि रात हुए इस बवाल के बाद उप निरीक्षक प्रदीप कुमार ने इस मामले में करीमुल्ला बांस निवासी आबिद, नाडू बांस निवासी इमरान, असलम, रहीश, राशिद, ताहिर, आसिफ, बब्लू, आसिफ पुत्र अशरफ, शकील उर्फ शाहपुरिया, यूसुफ, अकील मुल्ला, आस मौहम्मद, इरशाद, कामिल, जुबैर, इस्लाम, इकराम, हाजी हनीफ का पुत्र जिसका नाम नहीं मालूम, हाजी हनीफ सहित 24 लोगों के नामजद और 10-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली गलौज करते हुए पथराव व मारपीट करने, पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ करने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को भंग करने आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले मे पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस तरह की कार्रवाई को लेकर कस्बे में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

शादी में मिली बाइक में आग लगी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। शादी में एक माह पहले मिली बाइक आज सुबह आग में जल गई। गांव कुम्हा में एक परिवार के लोग खेतों में गए थे। उनके जाने के बाद घर में खड़ी बाइक में आग लग गई। धुआं निकलते देख आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रयासों के बीच बाइक खाक हो गई।

अनदेखी

दो दिन पहले मिला है बजट

प्राथमिक विद्यालयों में करोड़ों रुपये का होगा बंदरबांट

अब निकासी के लिए डाले जा रहे हैं दनादन बिल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले के प्राथमिक विद्यालयों को वित्तीय वर्ष के अंत में करोड़ों रुपये की धनराशि का बंदरबांट होना प्रारंभ हो गया है। सहायक शिक्षक सामग्री की धनराशि को आये हुए अभी दो दिन नहीं हुए हैं। बिना काम किए विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी प्रधानाध्यापकों पर दबाव बनाकर धनराशि को निकलवा रहे है जो शिक्षक ऐसा नहीं कर रहे हैं उनके खातों को अपने चहेते दूसरे अध्यापकों के नाम किया जा रहा है। दूसरी तरफ शिक्षकों का कहना है कि उनसे यदि कोई गलत हो गया तो उनकी गर्दन फंसेगी। अधिकारियों का कुछ नहीं बिगड़ेगा। 26 मार्च को बेसिक शिक्षा विभाग लखनऊ से प्राथमिक विद्यालयों व जूनियर हाईस्कूलों के लिए प्रत्येक छात्र के हिसाब से 15 रुपये की धनराशि मिली है। इस तरह जनपद के विगत सप्ताह छात्र संख्या के अनुसार प्राप्त हुई 25 हजार और 75 हजार रुपये की कंपोजिट ग्रांट से विद्यालय में मरम्मत और रंगाई पुताई का कार्य कराया जाना प्रस्तावित था। इसके साथ विद्यालय प्रबंध समिति प्रशिक्षण आदि कार्यों की एक हजार रुपये प्रति विद्यालय, इको क्लब के लिए 7500 और 500 रुपए मिले। विद्यालयों के विकास के लिए आया धन इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापक के लिए सिरदर्द बना हुआ है। बड़ी भागदौड़ के बाद विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष की खुशामद करके बिल बनवाए गए उसके बाद यह धनराशि निकालने का कार्य किया जा रहा है। यही नहीं आगामी दो दिन बैंक का अवकाश है। पूरे वर्ष खर्च किए गए धन दौलत में से हाथ आई राशि के डूबने के आसार नजर आ रहे हैं। ऐसे में जल्दी से जल्दी बिल बनवाकर धनराशि निकाली जा रही है क्योंकि वेतन रुकने का भय तो गुरुजी के रक्तचाप को बढ़ाए हुए है। अब बेसिक शिक्षा परिषदीय को दोहरा डर सता रहा है, यदि पैसा संबंधित खाते में नहीं पहुंचा तो फर्म का कर्जा तो ऊपर चढ़ेगा ही बड़े साहब वेतन रोक देंगे, क्योंकि पूरे जनपद के एक सैकड़ा शिक्षक इस परेशानी से दो चार हो चुके हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा जिसे इस सिस्टम का हिस्सा बनने का मौका मिला है, के कर्मचारी यह कहते पाए जाते हैं कि प्रोसेस में है। अध्यापक क्या करें इधर गिरे तो खाई और उधर गिरे तो कुआ। कौन अधिकारियों से बैर ले।

नवरात्रि में खुले कुट्टू आटे की बिक्री रहेगी प्रतिबंधित

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि एवं ईद-उल-फितर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री को रोकने को लेकर जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग सक्रिय हो गया है। ताकि जनपद वासियों को मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री न हो। इसके लिए निरंतर छापामार कार्रवाई खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों द्वारा 29 मार्च से 6 अप्रैल तक की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिले में खुले में कूट्टू के आटे की बिक्री व भंडारण पर रोक लगा दी है। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त धीरेन्द्र प्रताप ने बताया कि विशेषकर नवरात्रि पर तैयार होने वाले भोग/प्रसाद, सिंघाड़े का आटा, सेंधा नमक, घी, दूध एवं दुग्ध उत्पाद,

नहीं होगा खुले कुट्टू आटे का भंडारण

खाद्य सुरक्षा विभाग करेगा 29 मार्च से 6 अप्रैल तक छापामार कार्यवाही

कुट्टू का आटा, अन्य फलाहार तथा ईद-उल-फितर पर तैयार होने वाले सेंवइयां, खोया, मिठाईयों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई 29 मार्च से 6 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाये जाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही हिन्दू नववर्ष/नवरात्रि पर धार्मिक स्थलों पर आयोजित भण्डारों में वितरित किये जाने वाले प्रसाद/खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा अपने–अपने क्षेत्र में सम्बन्धित आयोजकों को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनपद मथुरा कुट्टू प्रोन क्षेत्र है। यहां पर पूर्व में खुले कुट्टू के आटे के सेवन से फूड प्वॉइजनिंग की कई घटनायें हो चुकी हैं। जिसके कारण खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा पूर्व में ही खुले कुट्टू के आटे के विक्रय/भंडारण पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। उन्होंने आगामी नवरात्र पर्व के दृष्टिगत जनपद मथुरा के समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को निर्देशित किया जाता है कि पैक्ड कुट्टू का आटा व अन्य व्रत के खाद्य पदार्थों जिन पर निर्माण तिथि एवं उपयोग तिथि अंकित हो का ही विक्रय करें। यदि जनपद में मिलावटी/दूषित खाद्य पदार्थ के सेवन से फूड पॉइजनिंग की कोई घटना घटित होती है तो सम्बन्धित निर्माता/खाद्य कारोबारकर्ता का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए उसके विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही आमजन मानस से अपील की जाती है कि वह नवरात्रि पर्व पर खुले कुट्टू के आटे का प्रयोग न करें।

इसके सेवन से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। खाद्य पदार्थों का उपयोग करने से पहले उस पर अंकित निर्माण तिथि एवं अवसान तिथि की जांच अवश्य कर लें। अवसान तिथि निकल जाने के पश्चात किसी भी खाद्य पदार्थ का प्रयोग न करें।

भवनपुरा के दंगल की आखिरी कुश्ती बराबरी पर छूटी

गोवर्धन के गांव भवनपुरा में आयोजित कुश्ती दंगल में दो पहलवान दांवपेच दिखाते हुए।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के गांव भवनपुरा में आयोजित कुश्ती दंगल में विभिन्न राज्यों से आये सैकड़ों पहलवानों ने खूब दमखम दिखाए। आखिरी कुश्ती बराबरी पर छूटी। पहलवानों की हर कुश्ती पर ड्रोन से पुष्प वर्षा की गईं। इस दंगल में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र तथा पंजाब आदि राज्यों के सैकड़ों पहलवानों ने भाग लिया।

दंगल में आखिरी कुश्ती अंकित पहलवान और सौरभ पहलवान के बीच बराबरी पर छूटी। वहीं 21 हजार रुपये की कुश्ती चंदू पहलवान और पालेंद्र

ड्रोन से पहलवानों पर की गई पुष्प वर्षा

पहलवान, गोविंद पहलवान व माखन पहलवान, कल्लू पहलवान व मोहना पहलवान के बीच भी बराबरी पर रही। हैप्पी पहलवान 21 हजार रुपये और अजय पहलवान ने 11 हजार रुपये की कुश्ती जीती।

रात्रि में रसिया दंगल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धोरीलाल कोमल चौधरी, गज्जो चौधरी, रोहन चौधरी, नीरज चौधरी, जवाहर, गोविन्द सिंह, दलवीर दरोगा, नन्दो चौधरी, कैलाशी, मुकेश भगत, संजू चौधरी, हरवान, राजू चौधरी एवं राजवीर आदि मौजूद थे।

श्री वैश्य खंडेलवाल समाज ने होली मिलन धूमधाम से मनाया

यूनिक समय, मथुरा। श्री वैश्य खंडेलवाल समाज द्वारा कृष्णा नगर मथुरा में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन खंडेलवाल सेवा सदन मथुरा में धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के शिरोमणि संत सुंदर दास और मुख्य संरक्षक गिरिराज जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल ट्रैक्टर्स वाले, महामंत्री अजय खंडेलवाल एडवोकेट, कृष्ण गोपाल मेठी, संरक्षक श्री अनुज खंडेलवाल और तुहीरामजी खंडेलवाल सहित कई अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के बच्चों ने होली के गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को पदाधिकारियों और अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज खंडेलवाल और महामंत्री अजय खंडेलवाल द्वारा किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम का निर्देशन कृपा खंडेलवाल और सरिता खंडेलवाल ने किया। अध्यक्ष श्री मुकेश खंडेलवाल ने पधारे सभी अतिथियों और सामाजिक बंधुओं का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अमृत खंडेलवाल, कृष्ण मुरारी, दिनेश झालानी, कुंज बिहारी, श्याम खंडेलवाल, सौरभ खंडेलवाल, और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पंजाब के किसानों के समर्थन में उतरे ब्रज के किसान

यूनिक समय, मथुरा। शहर के किसानों ने पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन को दबाने के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) टिकैत के बैनर तले जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। भाकियू जिलाध्यक्ष चौ. धर्मवीर सिंह ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में पंजाब बॉर्डर पर किसान शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने पुलिस बल का प्रयोग कर जबरन धरना स्थल खाली करा दिया। शंभू व खनौरी बॉर्डर पर बुलडोजर चलाकर किसानों को हटाया गया, जो

जिलाधिकारी कार्यालय में दिया ज्ञापन

निंदनीय है। ज्ञापन में लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली, गिरफ्तार किसानों की बिना शर्त रिहाई, ट्रैक्टर–ट्रॉलियों व उपकरणों की वापसी, क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई और अमेरिका समेत अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को रोकने की मांग की गई। इस मौके पर यूनियन के महानगर अध्यक्ष सलीम खान, मंडल महासचिव चौ. राकेश, जिला सचिव चौ. रामगोपाल, कैप्टन बच्चू सिंह, राजवीर सिंह, सीमा शर्मा, रोहताश और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भार्गव समाज के 11 बुजुर्गों को किया सम्मानित

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा भार्गव सभा का होली मिलन समारोह सभा के अध्यक्ष श्याम बिहारी भार्गव की अध्यक्षता में आकाशवाणी के सामने एक गार्डन में आयेजित किया गया। इस अवसर पर 11 भार्गव बुजुर्गों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सभा के अध्यक्ष, सचिव सुनील भार्गव, संरक्षिका मालती भार्गव, महिला सभा की अध्यक्ष पूनम भार्गव, सचिव श्रीमती नीतू भार्गव ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारम्भ वर्षा भार्गव ने गणेश वन्दना से किया। महिला सदस्यों ने होली पर आधारित

भार्गव सभा द्वारा सम्मानित किए गए बुजुर्ग।

सामूहिक, युगल एवं एकल गायन प्रस्तुत किये। पुरुषों ने भी एकल गायन प्रस्तुत किये। बच्चों ने भी राधा कृष्ण की होली एवं नृत्य प्रस्तुत किये।

सभा के 13 वर्ष अध्यक्ष पद पर रहने वाले श्याम बिहारी भार्गव एवं 8 वर्ष सभा के सचिव रहते हुए समाज की सेवा करने वाले सुनील भार्गव को सम्मानित किया।

वृद्धजन सम्मान में सुभाष चन्द भार्गव, प्रदीप भार्गव, अशोक भार्गव, सुशील भार्गव, मालती भार्गव, विजय लक्ष्मी भार्गव, शशि भार्गव, ऊषा भार्गव (गोविंदनगर), शालिनी भार्गव, ऊषा भार्गव (बिरला मन्दिर), मधु भार्गव का माला एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों एवं बच्चों ने हाउजी एवं लकी ड्रॉ का आनन्द लिया। संचालन श्रीमती दीपिका भार्गव एवं सभा के अध्यक्ष श्याम बिहारी भार्गव ने किया।

रंगारंग प्रस्तुति के साथ हुआ होली मिलन समारोह

सपा प्रमुख का गौ माता पर दिया बयान निंदनीय: पं. दिनेश

यूनिक समय, मथुरा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि मुझे गौशालाओं से बदबू आती है, इसलिए मैं इत्र की फैक्ट्री लगवा रहा हूं। उनके इस बयान पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष समिति के अध्यक्ष दिनेश फलहारी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। कहा कि उनका यह बयान निंदनीय है। सनातनी लोग वोट की ताकत से चुनाव में ऐसी विपक्षी पार्टियों को सबक सिखाएंगे। यह लोग इस्लाम समर्थक हो गए हैं। ऐसे लोगों को इस्लाम कबूल कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण यदुवंशी थे। सपा प्रमुख भी यदुवंशी हैं। उनको इस प्रकार का बयान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गाय विश्व की माता है, जब तक गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता घोषित नहीं करेंगे। तब तक हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना व्यर्थ है।

डीआईजी ने पुलिस महकमे में किया बड़ा फेरबदल

पांच निरीक्षक और 18 उपनिरीक्षक बदले

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डीआईजी/एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने पांच निरीक्षकों सहित 18 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किया है। स्थानांतरण करने वाले उप निरीक्षकों में कृष्णा नगर पुलिस चौकी प्रभारी भी हैं। उन्हें शायद वकील से हुई मारपीट प्रकरण में ट्रांसफर किया गया है। एसएसपी ने अपने पीआरओ अजय किशोर को जमुना पार थाने का प्रभारी नियुक्त किया है। थाना यमुना पार के प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल को थाना साइबर प्रभारी बनाया है। साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक जयवीर सिंह को प्रभारी रिट सेल, संजय त्यागी को रिट सेल से वाचक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर भेजा है। जसवीर सिंह को वाचक से थाना प्रभारी निरीक्षक मांट नियुक्त किया गया है। कृष्णा नगर पुलिस चौकी प्रभारी विक्रांत तोमर को रिपोर्टिंग चौकी प्रभारी से हटा कर उन्हें थाना हाईवे की चौकी सतोहा का प्रभार दिया गया है। उनका स्थानंतरण वकीलों से हुए विवाद के बाद काफी चर्चा में रहा था। उन्हें हटाने के लिए वकीलों ने हड़ताल तक की थी। इस बात का कयास लगाया जा रहा है कि उनसे इस कारण ही रिपोर्टिंग चौकी का चार्ज हटा कर सतोहा पुलिस चौकी पर भेजा गया है।

सतोहा पुलिस चौकी पर तैनात कुशल पाल सिंह को रिपोर्टिंग चौकी कृष्णा नगर का प्रभारी बनाया है। उप निरीक्षक कपिल कुमार को चौकी प्रभारी हसनपुर थाना नौहझील से चौकी रमणेरेती वृंदावन, शिवशरण को चौकी प्रभारी रमणेरेती से चौकी प्रभारी केशवधाम वृंदावन, हरीश चौधरी को चौकी प्रभारी केशव धाम से पीआरओ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुष्यंत कौशिक को चौकी प्रभारी मथुरा गेट वृंदावन से चौकी प्रभारी बालाजीपुरम थाना हाईवे, रजत दुबे को चौकी प्रभारी लाड़लीजी बरसाना से मथुरा गेट वृंदावन पुलिस चौकी प्रभारी, अनिल कुमार पांडेय को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी लाड़लीजी बरसाना, रिंकेश शर्मा को

थाना प्रभारी यमुनापार को हटाया

कृष्णानगर पुलिस चौकी प्रभारी का किया डिमोशन

पीआरओ को सौंपा थाना यमुनापार का चार्ज

कई चौकी प्रभारियों को भी इधर से उधर किया

पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी डीग गेट थाना गोविंदनगर, अजय कुमार को चौकी प्रभारी डीग गेट से चौकी प्रभारी बीएसए कोतवाली, अशेष कुमार पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी हसनपुर थाना नौहझील, पंकज कुमार को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी माना गढ़ी नौहझील, महिला उप निरीक्षक सुश्री रेशु रजौर को थाना सदर बाजार से लोक शिकायत प्रकोष्ठ पुलिस कार्यालय के लिए ट्रांसफर किया गया है।

तीन दिन पहले गोवर्धन में मिले अज्ञात वृद्ध के शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाना क्षेत्र में तीन दिन पहले मिले अज्ञात वृद्ध के शव की शिनाख्त उसके बेटे ने की है। मृतक हिंडोन राजस्थान का रहने वाला था। गोवर्धन पुलिस ने 25 मार्च को एक अज्ञात वृद्ध के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मोरचरी में शिनाख्त के लिए रखे वृद्ध के शव की शिनाख्त हिंडोन से आए उसके बेटे भूरा ने की है। भूरा ने बताया कि उसके पिता पप्पू उर्फ महेंद्र करीब चालीस साल पहले घर से निकल आए थे। वह गोवर्धन में रह रहे थे। उनके बारे में जानकारी मिली तो उसने गोवर्धन पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिवारीजनों को सौंप दिया।

लोहे के पाइपों से भरे ट्रक में पकड़ा डेढ़ कुंतल गांजा

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस ने लोहे के पाइपों से भरे ट्रक से गांजे की तस्करी करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ट्रक से डेढ़ कुंतल गांजा भी बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में दो कार और ट्रक को भी जब्त किया है। पुलिस अभी मामले की छानबीन कर रही है। फरह पुलिस ने रात को चेकिंग के दौरान लोहे के पाइपों से भरे एक ट्रक को रोक लिया। लोहे के पाइपों के नीचे छिपाकर रखा डेढ़ कुंटल गांजा पुलिस को मिल गया। पुलिस ने ट्रक और कार से चल रहे आठ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस की हिरासत में आए राधाबल्लभ निवासी माली पाड़ा राधा कुंड, संजय खान निवासी जुम्मा का अड्डा मोहन कॉलोनी धौलपुर, कंचन उर्फ भगत निवासी आरके पुरम नगरिया कोसीकलां, पंकज निवासी लज्जा की गढ़ी धौलपुर, संतोष सिंह निवासी लज्जा की गढ़ी धौलपुर, गुड्डू निवासी मुक्खा मरहेला नौहझील, लोकेंद्र निवासी रंजीत गढ़ी खेर अलीगढ़, धर्मेंद्र निवासी कमालपुरा टप्पल अलीगढ़ हैं।

आज का शब्द

"विस्मयकारी"

क्या है विस्मयकारी शब्द!

अर्थ: आश्चर्यचकित करने वाला, चमत्कारी या अद्भुत।

उदाहरण: वैज्ञानिकों की नई खोज सच में विस्मयकारी है।

धर्म गुरु दीक्षांत समारोह में दिया गुरु मंत्र

हिंदू सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान

श्री जयंती प्रसाद वैदिक विद्याश्रम छात्रावास में धर्म गुरु दीक्षांत समारोह में विद्वतजन।

यूनिक समय, वृंदावन। गौधूलिपुरम कॉलोनी स्थित श्री जयंती प्रसाद वैदिक विद्याश्रम छात्रावास में परीक्षा वर्ष 2024–25 के परीक्षा समापन पर धर्म गुरु दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में गत वर्ष एक वर्षीय पुरोहित कर्मकांड डिप्लोमा धर्मगुरु पद की हुई परीक्षाओं के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त होने पर महेश बाबा ने 90 प्रतिशत से अंक प्राप्त करने वाले आचार्य हिमांशु उपाध्याय और प्रभु शर्मा का सलोरा करके सम्मान किया। आचार्य बनवारी लाल गौड़ ने धर्म गुरु दीक्षांत समारोह पर प्रकाश डाला। कहा कि यूपी सरकार का निःशुल्क संस्कृत बढ़ाने का यह प्रकल्प काफी अच्छा है। उन्होंने कहा कि पहले सत्र में 48 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और सभी पास हुए। इनमें दो विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। अध्यक्षता करते हुए बाबा महेश दास महाराज, श्री हित श्यामसुंदर भक्त माली महाराज तथा मुख्य अतिथि आचार्य बृजेंद्र भाई कौशिक महाराज ने आशीर्वाद दिया। उन्होंने सभी वैदिक सनातनी छात्रों को आगे बढ़ते हुए बलवान और विद्वान होकर के हिंदू सनातन संस्कृति का परचम पूरी देश और दुनिया में फहराने का संदेश दिया। संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य चैतन्य गौड़ ने किया। इस अवसर पर बरेली से रमाशंकर मिश्रा, हरिओम कुमार पाठक, परमानंद शर्मा, कमलेश देवी देवनारायण आचार्य, संजय कुमार, राजेंद्र उपाध्याय तथा श्याम नारायण पांडे आदि उपस्थित थे।

युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या की

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र के राधाकुंड इलाके में एक युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले डीपी दास का परिवार लंबे समय से राधाकुंड में रह रहा था। मेहनत मजदूरी करके परिवार का लालन पालन कर रहा था। बताया गया कि उनके बेटे पंकज दास (38) ने रात में घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों को पता लगने पर तो उनके होश उड़ गए। आस-पास के लोग भी वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर है।

नव संवत्सर मेले का शुभारंभ कल

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में शनिवार को मध्याह्न एक बजे नव संवत्सर 2082 की पूर्व संध्या पर नववर्ष मेला का शुभारंभ सेठ बी.एन. पोद्दार इंटर कॉलेज में समिति के पदाधिकारियों द्वारा भूमि पूजन के साथ होगा। यह जानकारी देते हुए समिति के मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि कॉलेज में कल सायं शाम 5 बजे से रंगोली और मंचीय प्रतियोगिताएं होंगी। रात्रि 8 बजे से नववर्ष समारोह में मुख्य अतिथि श्री राधावल्लभ संप्रदाय प्रधान पीठाधिपति तिलकायत अधिकारी गोस्वामी मोहित मराल महाराज और विशिष्ट अतिथि बाल विकास एवं महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

बसंतर पार्क को लेकर किया मंथन

यूनिक समय, मथुरा। शहर के बसंतर पार्क के रखरखाव को लेकर छावनी परिषद कार्यालय में वक्ताओं ने विचार विमर्श किया गया। इसमें अश्वनी पांडे, माधव उपमन्यु, ललिता देवी तथा सुभाष यादव आदि लोगों ने छावनी परिषद के अधिशासी अभियंता एवं छावनी परिषद के अध्यक्ष से मुलाकात कर बसंतर पार्क में किए विकास कार्य पर खर्च की गई राशि को लेकर जानकारी दी। कहा नई यूनिट के लिए मैस बनाने की तैयारी चल रही है और बहुत जल्द ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

भारी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में हुई संपन्न

अलविदा जुमे की नमाज अदा की

चौक बाजार में सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार त्यागी एवं एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार।

जामा मस्जिद में नमाज अदा करते मुस्लिम समाज के लोग।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में आज अलविदा जुमे की नमाज भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में सभी मस्जिदों में अदा की गई। पुलिस ने इसको लेकर जहां भारी सुरक्षा इंतजाम किए थे। वहीं डीएम और डीआईजी/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसपी सिटी, सीओ सिटी नमाज अदा होने तक शहर में ही जमे रहे। रमजान के पाक माह के आखिरी जुमे यानि के जुमा अलविदा की नमाज के लिए पूरे जनपद में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। शहर को सेक्टरों में बांट कर सेक्टर मजिस्ट्रेट और सीओ आदि के साथ पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इसके साथ ही शहर की शाही जामा मस्जिद ईदगाह, चौक बाजार की जामा मस्जिद, मरकज वाली मस्जिद, मनोहरपुरा, तेली वाली मस्जिद, भूतेश्वर वाली मस्जिद, सुखदेव नगर वाली मस्जिद, देव नगर वाली मस्जिद, जयसिंहपुरा व वृंदावन, सदर की कई मस्जिदों के अलावा औरंगाबाद की मस्जिदों के अलावा अन्य मस्जिदों में भी भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने जुमे की नमाज अदा की। इसके साथ ही वृंदावन, फरह, सौंख, कोसीकलां, छाता, राया, मांट, सुरीर व नौहझील कस्बे की मस्जिदों में भी वहां के लोगों ने अलविदा जुमे की नमाज अदा की। इस मौके पर मस्जिदों के बाहर पुलिसकर्मी ड्यूटी देते नजर आए।

डीआईजी समेत अन्य अधिकारी रहे तैनात

सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से रखी गई नजर

डीआईजी/ एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि अलविदा जुमे की नमाज को लेकर जनपद में पहले से संभ्रांत लोगों के साथ पुलिस प्रशासन ने बातचीत कर नमाज को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के इंतजाम किए थे। इसके साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल और सीसी टीवी कैमरे और ड्रोन से भी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी गई। उन्होंने इसी तरह शांतिपूर्ण माहौल में ईद की नमाज अदा करने और सभी से भाई चारा बनाए रखने की अपील की है।

वृंदावन में 30 मार्च को निकलेगी नवसंवत्सर शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज मंडल की विद्वत समाज की प्रमुख संस्था श्रीमद् भागवत कथा आयोजन समिति एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ की संयुक्त बैठक में नव संवत्सर पर वृंदावन में 30 मार्च को निकलने वाली शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में विद्वतजन व तीर्थ पुरोहितों को भाग लेने का निर्णय लिया। शोभायात्रा को भव्यता प्रदान करने के संदर्भ में विचार विचार विमर्श किया। साथ ही शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए नगर में विद्वतजन व तीर्थ पुरोहितों से जनसंपर्क भी किया गया। समिति के संस्थापक अमित भारद्वाज एवं महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रयागनाथ चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के अध्यक्ष शशांक पाठक, महामंत्री सुमंत कृष्ण शास्त्री, ब्रजमंडल महामंत्री यज्ञदत्त चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे। अमित भारद्वाज ने बताया कि मथुरा के अलावा गोवर्धन, गोकुल, महावन और हाथरस के विद्वानों से भी फोन के माध्यम से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की गई है। प्रमुख देवालयों के सेवायत भी शोभायात्रा में शामिल होंगे।

जन्मभूमि पर नवसंवत्सर पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (जन्मभूमि) द्वारा ग्रीष्मकालीन मंदिर समय परिवर्तन के साथ-साथ विक्रम नववर्ष नवसंवत्सर के स्वागत किये जाने हेतु विभिन्न

30 मार्च से होगा मंदिर में समय परिवर्तन

कार्यक्रम आयोजित होंगे। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि नवसम्वत्सर 2082 तदनुसार 30 मार्च 2025 को श्रीरामचरितमानस का नवाह्न परायण पाठ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से रामनवमी तक व्यास श्री बैजनाथ चतुर्वेदी एवं उनकी मण्डली द्वारा प्रातः 8:00 बजे दोपहर 1:00 बजे तक भागवत-भवन मंदिर में सस्वर किया जायेगा। इस अवसर पर प्रातः 7:00 बजे श्रीकेशवदेव जी का अभिषेक एवं सायं 7:00 बजे से श्रीभागवत-भवन मंदिर में भजन संध्या होगी। भजन संध्या में ब्रज के गायक लवनाथ चतुर्वेदी, कुशनाथ चतुर्वेदी एवं श्रीकृष्ण संकीर्तन मण्डल के रसिक भक्तजन अपनी सुमधुर वाणी में प्रस्तुति देंगे। 30 मार्च 2025 की प्रातः से श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सभी मंदिरों के ग्रीष्मकालीन मंदिरों के समय में परिवर्तन निम्नानुसार होगा। श्री गर्भगृह मंदिर में प्रातः 6:30 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक (पर्यन्त)। भागवत-भवन व अन्य सभी मंदिरों में प्रातः 6:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक एवं सायं 4:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक दर्शन होंगे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम पूजा मित्तल पुत्री रविंद्र नाथ मित्तल से बदलकर पूजा अग्रवाल पत्नी पवन अग्रवाल कर लिया है। अब से भविष्य में मुझे पूजा अग्रवाल पत्नी पवन अग्रवाल नि-म0नं0 391, नारायनपुरी धौलीप्याऊ जिला मथुरा के नाम से जाना, पढ़ा जायेगा।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम Harshil Agarwal पुत्र Pawan Agrawal से बदलकर Harshil Agrawal पुत्र Pavan Agrawal कर लिया है। अब से भविष्य में मुझे Harshil Agrawal पुत्र Pavan Agrawal नि. म0नं0 391, नारायनपुरी धौलीप्याऊ जिला मथुरा के नाम से जाना, पढ़ा जायेगा।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने को निकाली साइकिल यात्रा

पं. दीनदयाल उपाध्याय उत्तर प्रदेश वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा निकाली गई साइकिल यात्रा का प्रारंभ करते कुलपति प्रोफेसर अरुण कुमार मदान।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान के मुख्य द्वार से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार मदान ने झंडा दिखाकर साइकिल यात्रा का शुभारंभ किया गया। कुलपति ने बताया कि हमें समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, नशाखोरी तथा पर्यावरण को दूषित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर विकास पाठक ने बताया कि साइकिल चलाना स्वास्थ्य के दृष्टि से एक महत्वपूर्ण व्यायाम है तथा साथ ही साथ विभिन्न स्थानों पर छात्र-छात्राओं एवं ग्राम वासियों को जागरूक करने का प्रयास है। विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी, प्रो. देश दीपक सिंह ने बताया कि सामाजिक जागरूकता साइकिल यात्रा आज जनपद के अडींग गांव में पहुंचकर राजकीय भारतीय इंटर

दुवासू के छात्रों ने विभिन्न गांवों में लोगों को कुरीतियों के प्रति किया जागरूक

कॉलेज के छात्रों एवं ग्राम वासियों को जागरूक किया। उसके बाद यहां से श्री गिरिराज जी महाराज के दानघाटी मंदिर में दर्शन किया और वहां उपस्थित लोगों से बीच सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई।

इसके बाद बरसाना मार्ग पर स्थित पलसों ग्राम सभा में ग्राम वासियों के साथ चर्चा की गई। आज नोंक में वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय प्रो. विकास पाठक की अध्यक्षता में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता मत्स्यिकी महाविद्यालय, डॉ. नित्यानंद पांडे, अधिष्ठाता डेरी विज्ञान महाविद्यालय, प्रो. रश्मि सिंह, डॉ. रजनीश सिरोही तथा डॉ. प्रकाश सिंह उपस्थित थे।

एसडीएम ने सीसी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

राया के बाजार में निरीक्षण करते एसडीएम मांट अभिनव जे। साथ में ईओ अंशुमान सिंह आदि।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। नगर पंचायत द्वारा लाखों रुपये की लागत से कटरा बाजार से लेकर रेतिया बाजार सराय मोहल्ला में बनाई सड़क नाली निर्माण की गुणवत्ता देखने के लिए उपजिलाधिकारी मांट अभिनव जे जैन अधीनस्थों के साथ पहुंचे, जहां उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता को परखा। स्थानीय दुकानदारों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने

दुकानदारों को सड़क पर अतिक्रमण न करने की हिदायत

दुकानदारों से सड़क पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी। अन्यथा उनके खिलाफ कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। इस दौरान नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी अंशुमान सिंह, राजवीर सिंह, अजित सिंह, प्रवीन शर्मा तथा गौरव आदि मौजूद थे।

किसानों की राह देखता सरकारी गेहूं क्रय केंद्र

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधाओं के लिए जनपद में बनाए गेहूं खरीद केंद्रों पर अभी तक कोई किसान अपना माल लेकर नहीं पहुंचा है। मंडी मथुरा में जब जाकर देखा तो क्रय केंद्रों पर तैनात कर्मचारी मुंह पर हाथ धरे बैठे दिखाई दिए। क्रय केंद्र के कर्मचारी ने बताया कि अभी तक कोई किसान अपनी फसल को मथुरा मंडी में बेचने नहीं आया है। कुछ किसानों का कहना है कि अभी फसले कटना शुरू हुई हैं। मंडी में लाने के लिए करीब एक सप्ताह का समय लग जाएगा। जिस किसान की फसल एक सप्ताह पूर्व कट चुकी, वो किसान एक दो दिन में गेहूं व सरसों लाना शुरू कर देंगे। मथुरा मंडी में गेहूं का रेट 2425 रुपये कुंतल के हिसाब से लिया जा रहा है। मंडी में सरकारी गेहूं क्रय केंद्रों की स्थापना के बावजूद, कई किसान वहां अपनी फसल बेचने से परहेज क्यों कर रहे हैं? किसानों ने बताया कि भुगतान में कटौती का भय कुछ किसानों को सता रहा है कि यदि वे सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचते हैं, तो भुगतान उनके बैंक खातों में जाएगा, जिससे बैंक उनके कर्ज की राशि काट सकती हैं। इससे अगली फसल के लिए आवश्यक धनराशि में कमी आ सकती है।

मंडी परिसर स्थित सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर पसरा सन्नाटा।

बीसीए छात्र-छात्राओं का दल औद्योगिक टूर को नोएडा रवाना

शैक्षिणिक एवं औद्योगिक टूर के लिए बीएसए के छात्रों के दल को रवाना करते प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) विभाग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं का एक शैक्षणिक एवं औद्योगिक टूर ऐप्सक्वैड्ज सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर-63, नोएडा के लिए प्रस्थान हुआ। दो बसों के माध्यम से निकले इस शैक्षणिक यात्रा को प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नोएडा स्थित ऐप्सक्वैड्ज सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड में पहुंचकर छात्र-छात्राओं ने आधुनिक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी, आई.टी. उद्योग की कार्यप्रणाली तथा उद्योग में उपयोग होने वाली नवीनतम तकनीकों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को सॉफ्टवेयर

ऐप्सक्वैड्ज सॉफ्टवेयर कम्पनी का किया भ्रमण

डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग एवं अन्य डिजिटल इनोवेशन के बारे में विस्तार से बताया। बी.सी.ए. विभागाध्यक्ष डॉ. संजय चौहान ने कहा "तकनीकी शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए औद्योगिक भ्रमण आवश्यक हैं।

इस शैक्षणिक यात्रा से छात्र-छात्राओं को अपने करियर को लेकर नई दिशा एवं प्रेरणा मिली। छात्रों ने भी इस पहल की सराहना की और इसे अपने शैक्षिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। इस अवसर पर डॉ. बी.के. गोस्वामी, डॉ रवीश शर्मा, डॉ यू के त्रिपाठी,डॉ. योगेश भारद्वाज, डॉ. चंचल शर्मा सहित, डॉ नरेंद्र शर्मा तथा डॉ दीपक यादव आदि उपस्थित थे।

दरोगा क्यों छिपा रहा है सूचना देने वाले का नाम?

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के गांव नगला हरिया में तालाब से मिले पांच साल के बच्चे के शव को लेकर लोग पुलिस की कार्रवाई पर उंगलियां उठा रहे हैं। मोरचरी पर पांच साल के बच्चे मितांश पुत्र देवेंद्र के शव को लेने पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे को तालाब में भी तलाश किया गया था। लेकिन चौकी आयरा खेड़ा के दरोगा को इस बात की जानकारी कैसे हुई कि तालाब में बच्चे की लाश है। ग्रामीणों का आरोप है कि दरोगा से पूछे जाने के बाद भी वह इस बात को क्यों नहीं बता रहे हैं कि उन्हें ये सूचना किसने दी थी। पुलिस को इस मामले में सही से जांच कर बच्चे और उसके परिवार को न्याय दिलाना चाहिए। जिस किसी ने भी इस तरह का कृत्य किया है उसे सजा मिलनी चाहिए।

मामले की जांच कर हत्या करने वाले को करें गिरफ्तार

छेड़छाड़ करने वाले युवक को तीन साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट की अदालत ने किशोरी से छेड़खानी करने वाले एक अभियुक्त को तीन वर्ष के कारावास और 4200 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाली विशेष लोक अभियोजक अलका उपमन्यु ने बताया कि हाईवे थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली एक किशोरी के साथ 26 जुलाई 2020 की दोपहर को गांव के ही प्रवीन ने छेड़खानी की थी। किशोरी के पिता ने प्रवीन के खिलाफ हाईवे थाने में अभियोग पंजीकृत कराया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे पोक्सो एक्ट की अदालत में हुई। अदालत ने प्रवीन को तीन वर्ष के कारावास और 4200 रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है।

4200 रुपये का जुर्माना भी लगाया

जीएलए विश्वविद्यालय के तीन छात्र फेयरलैब्स में चयनित

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के एमएससी (गणित) के छात्रों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर शानदार सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय में आयोजित फेयरलैब्स कंपनी की प्लेसमेंट ड्राइव में तीन छात्रों को रोजगार मिला है। विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, डिप्लोमा, प्रबंधन और फार्मेसी के छात्रों के साथ ही एमएससी गणित के छात्रों के लिए भी कंपनियों ने रोजगार के द्वार खोले हैं। अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर छात्र संतोष, लोकेश और यामिनी ने चयन प्रक्रिया में सफलता प्राप्त की। चयन से पूर्व कंपनी पदाधिकारियों ने छात्रों को कंपनी की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इसके बाद लिखित और मौखिक परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें छात्रों ने विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रदत्त शिक्षा का बेहतर प्रदर्शन किया। परीक्षा के उपरांत तीनों छात्रों को ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव पद के लिए चुना गया। चयनित छात्रों ने विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता शिक्षकों द्वारा दी गई उत्कृष्ट शिक्षा का प्रमाण है। छात्रों ने कहा कि गणित एक महत्वपूर्ण कौशल है, जो क्लासरूम में प्रभावी शिक्षण विधियों और सकारात्मक शिक्षण वातावरण के माध्यम से बेहतर रूप में सीखा जा सकता है। उन्होंने गणित को एक सार्वभौमिक भाषा बताया, जो पूरी दुनिया में समान रूप से समझी जाती है।

जीएलए विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट के दौरान चयनित एमएससी के विद्यार्थी

गणित विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष गोयल ने चयनित छात्रों की सफलता को उनकी मेहनत, समर्पण और कौशल का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को बेहतरीन प्लेसमेंट अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षकों ने भी छात्रों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के असिस्टेंट जनरल मैनेजर (कॉरपोरेट रिलेशंस) भरत कांत शर्मा ने बताया कि एमएससी गणित के चयनित छात्र संतोष, लोकेश और यामिनी ही नहीं, बल्कि कई अन्य छात्र भी प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी प्लेसमेंट दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जीएलए में हर कोर्स के विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट कर रोजगार प्रदान कर रहीं कंपनियां

धनौली, बल्हेरा और अभयपुरा के ग्रामीणों की बैठक

नगर निगम सीमा में समाहित करने का किया विरोध

यूनिक समय, आगरा। वरिष्ठ नेता तुलाराम शर्मा के निवास पर धनौली, बल्हेरा, अभयपुरा और आसपास के गांवों के प्रधानों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने नगर निगम सीमा में इन गांवों को समाहित करने का विरोध किया। उनका मानना है कि नगर निगम में शामिल होने से उनके नागरिकों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं, जबकि नगर पालिका परिषद बनने से उन्हें अधिक प्रभावी भूमिका मिल सकती है और करों का बोझ कम होगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि एयरफोर्स स्टेशन खेरिया के विस्तार और सिविल एयरपोर्ट शिफ्टिंग प्रोजेक्ट के कारण खेती की जमीन का अधिग्रहण हो चुका है, जिससे ग्रामीणों को मुआवजा तो मिल चुका है, लेकिन उनके जीवन यापन के साधन जुटाना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा, धनौली गांव में जलभराव की समस्या भी गंभीर है, जहां मानसून में खेरिया मोड़ से पानी आकर जलमग्नता की स्थिति उत्पन्न कर देता है। बैठक में यह तय किया गया कि यदि क्षेत्र की स्थिति नहीं सुधरी, तो नगर पालिका परिषद बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बैठक में सिविल सोसाइटी ऑफ आगरा के अध्यक्ष डॉ. शिरोमणि सिंह और अन्य प्रमुख लोग भी शामिल थे।

भाकियू (सुनील) ने किसानों की समस्या को लेकर दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। आज भारतीय किसान यूनियन (सुनील) के नेतृत्व में संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी मथुरा को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में देशभर के किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। पंजाब में किसानों पर हो रहे दमन और उत्पीड़न को तत्काल रोकाने, कृषि मार्केटिंग की झूठी नीति को वापस लेने, सी2+50% फार्मूले पर एमएसपी(न्यूनतम समर्थन मूल्य) की कानूनी गारंटी दिए जाने, किसानों को प्रतिदिन 10 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाने एवं देशभर के किसानों और मजदूरों को संपूर्ण कर्ज से मुक्त किए जाने संबंधी मांग रखी। ज्ञापन सौंपते समय किसान नेताओं ने एकजुट होकर कहा कि "पंजाब में किसानों पर हो रहे अत्याचार और दमन को अब और सहन नहीं किया जाएगा।" उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो देशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में गजेंद्र सिंह गावर, बालकिशन दीक्षित, भारत अग्रवाल, कृष्णा फौजदार, चरण सिंह, करण पाठक सहित सैकड़ों किसान नेता उपस्थित रहे।

रामनवमी पर निकलेगा रामलला का भव्य डोला

यूनिक समय, कोसीकलां। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री रामलला का भव्य डोला 6 अप्रैल रामनवमी को निकाला जाएगा। जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है। डोला को इस बार भव्य व आकर्षक रूप देने के लिए कारीगर जुटे हुए हैं। श्रीराम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रशांति अग्रवाल, मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि डोला सुबह 12 बजे बैण्ड-बाजों के साथ काली मंदिर रामनगर से भ्रमण के लिए निकलेगा जो कि शहर के प्रमुख बाजारों से होता हुआ बड़े महादेव मंदिर तालाबशाही पर जाकर संपन्न होगा। डोला को इस बार भव्य व आकर्षक रूप दिया गया हैं। जिसकी तैयारियों में दिन-रात संस्था के लोग व कारीगर जुटे हुए हैं।

जीवन की समग्रता अथवा पूर्णता का नाम ही तो श्रीकृष्ण

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। केशव धाम द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पों के सहायतार्थ केशव धाम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के षष्ठ दिवस भागवताचार्य संजीव कृष्ण ठाकुर जी ने महारास लीला, प्रभु का मथुरा गमन, उद्धव–गोपी संवाद एवं भगवान श्री कृष्ण माँ रुक्मिणी मंगल विवाह उत्सव पर प्रकाश डाला। महाराज श्री ने बताया कि कर्म करने वाले के ऊपर ही प्रभु की कृपा भी होती है जो कर्म करता है उसकी जय भी अवश्य होती है। यहां कर्मशील व्यक्ति ही जीवन में सब कुछ पाता है। कर्मशीलता की पराकाष्ठा हमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में देखने को मिलती है। कभी नंगे पैर गौमाताओं के पीछे चलने वाले गोपाल एक दिन सोने की जूतियां पहनने वाले द्वारिकाधीश बन गये। अनासक्ति का सबसे बड़ा उदाहरण अगर किसी के जीवन में देखने को मिलता है तो वो भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में ही मिलता है। जिसके जीवन में न पाने की प्रसन्नता न खोने का शोक। जब रहे, जहाँ रहे, पूरे के पूरे रहे। जब तक गोपियों के मध्य रहे गोपियों के बनकर रहे और जब मथुरा गये तो वहीं के होकर रह गये। जीवन की समग्रता अथवा पूर्णता का नाम ही तो श्रीकृष्ण है। जिसे श्रीकृष्ण के आदर्शों पर जीना आ गया उसका जीवन रोग-शोक अथवा राग-द्वेष से मुक्त होकर आनंदमय भी हो गया। आशीर्वचन महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद सरस्वती महाराज का रहा। इस अवसर पर जीएलए विवि कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, विपिन मुकुट वाले, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, नगर आयुक्त शशांक चौधरी, कार्ष्णि नागेन्द्र, सुशील कुमार चौहान, राजेश सोमानी, राजश्री समानी, अमित जैन, राजा भोज, डॉ संजय, ललित कुमार तथा सतीश अग्रवाल उपस्थित थे।

केशवधाम में चल रही कथा में व्यास पीठ का पूजन करते अतिथि।

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को दी विदाई

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक तेजवीर सिंह को विदाई देते साथी शिक्षक।

यूनिक समय, बलदेव। विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय नगला मोहन के प्रधानाध्यापक तेजवीर सिंह के सेवानिवृत होने पर उनका विद्यालय प्रांगण में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार ने किया। सेवानिवृत प्रधानाध्यापक तेजवीर सिंह को देवेंद्र सिंह, विजय लक्ष्मी, कमलेश आंगनबाड़ी समेत अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी।

अकीदत के साथ अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज

यूनिक समय, कोसीकलां। रमजान के आखिरी (शुक्रवार) जुमे पर अलविदा की नमाज अदा की गई। शहर से लेकर गांवों तक की मस्जिदों में अमन की सदा के साथ नमाज अदा हुई। बारगाह–ए–इलाही अलविदा के सजदे में अमनो अमान के लिए हजारों हाथ उठे। उलमा ने कहा कि गरीब, यतीम, मिस्कीन के चेहरे पर खुशियां लाएं। उसके बाद ही रमजान का मकसद पूरा हो सकता है। शुक्रवार को रमजान का 27वां रोजा यानी आखिरी जुमा। शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों में सुबह से हलचल रही। हर कोई तैयारी में जुटा दिखा। घरों की साफ सफाई की गई। इसके बाद इबादत का सिलसिला शुरू हुआ। घरों में युवतियों और महिलाओं ने कुरान की तिलावत और नमाज अदा की। इसके बाद दोपहर एक बजे से बुजुर्गों के साथ मासूम बच्चे भी मस्जिदों के लिए निकलने लगे। प्रमुख मरकज मस्जिद, तालाब शाही मस्जिद, घंटाघर पंजाबी बाजार मस्जिद, सराय शाही मस्जिद, थाना के पास मस्जिद, सराय शाही मस्जिद, अक्शा मस्जिद, मरियम मस्जिद, मक्का मस्जिद, मदीना मस्जिद सहित ग्रामीण अंचलों की मस्जिदों पर अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी मस्जिदों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय का स्वागत करते विशाल पाराशर के साथ अन्य कार्यकर्ता।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की नींव: निर्भय पांडेय

यूनिक समय, राया (मथुरा)। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की नींव है, जो पार्टी का भविष्य तय करते हैं। उन कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास के कारण आज देश के कोने-कोने में देश हित मे भारतीय जनता पार्टी का ध्वज फहर रहा है। वह किसी भी कार्यकर्ता के सम्मान को ठेस नही पहुंचने देंगे। यह उदगार भाजपा के जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने बलदेव मार्ग नगर पंचायत कार्यालय पर आयोजित स्वागत समारोह के दौरान व्यक्त किये। जिलाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार राया आगमन पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, मण्डल अध्यक्ष रामकुमार उपाध्याय, जिला महामंत्री व जिला पंचायत सदस्य सत्यवीर सिंह, अनिल रावत, विशाल पाराशर तथा मनोज नागर आदि उपस्थित थे। संचालन सुरेश प्रधान ने किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने गिनाए योगी सरकार के कार्य

यूनिक समय, चौमुहां। अकबरपुर स्थित गोपाल जी मंदिर अनाथ गौशाला में भाजपा के आठ साल बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने इसमें योगी सरकार की आठ वर्ष की उपलब्धियों व कार्यों को गिनाया। गोशाला संचालक संत मदन मोहन दास महाराज ने भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान भगत सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, नत्थी सिंह, मण्डल अध्यक्ष मुरारी सिंह, डिप्टी सिंह, पूरन सिंह, पवन वार्ष्णेय तथा कुलदीप आदि उपस्थित थे।

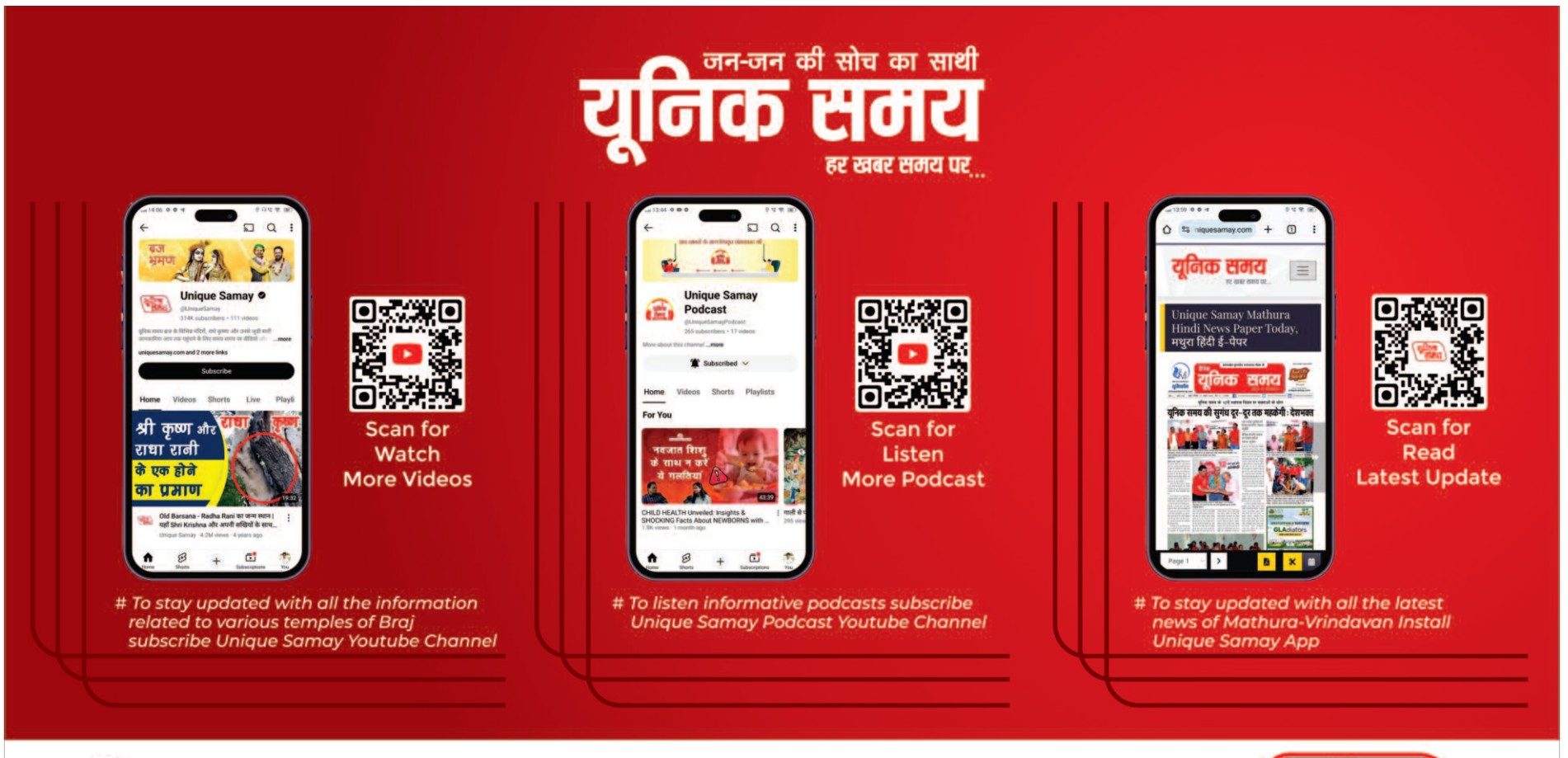

आपकी उम्र 40 के पार है तो स्वस्थ रहने के लिए जाने जरूरी बातें

यूनिक समय, नई दिल्ली। जैसे–जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं, अगर हम अपनी उचित देखभाल नहीं करते हैं तो स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। यही कारण है कि 40 साल से ऊपर के लोगों के लिए स्वस्थ जीवन शैली की आदतों को अपनाना महत्वपूर्ण है। उम्र बढ़ने के साथ पाचन संबंधी समस्याएं, शिथिल जीवन शैली, नींद न आना जैसी कई समस्याएं होने लगती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि 40 के उम्र को पार करते ही जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं को ठीक करके एक हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाना चाहिए। तो आइए हम बताते हैं कि 40 साल से ऊपर के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए जीवनशैली से जुड़े किन नियमों का पालन करना चाहिए।

पर्याप्त नींद लें– अच्छी नींद संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और 40 वर्ष से ऊपर के लोगों को इसे प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। नींद शरीर की मरम्मत और बहाली प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है, और यह एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली, संज्ञानात्मक कार्य और मनोदशा को बनाए रखने में मदद करती है। हर रात सात से आठ घंटे सोएं और हर दिन एक ही समय पर बिस्तर पर जाकर नियमित नींद लें।

स्वस्थ आहार बनाए रखें- अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार महत्वपूर्ण है, और 40 वर्ष से ऊपर के लोगों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने को प्राथमिकता देनी चाहिए जो पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करते हैं और स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देते हैं। फलों, सब्जियों, लीन प्रोटीन, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा जैसे नट्स, सीड्स और एवोकाडो से भरपूर आहार का सेवन करें. इसके अतिरिक्त, प्रोसेस्ड फूड, मीठा पेय और अनहेल्दी फैट का सेवन सीमित करें सक्रिय रहें। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है और यह उम्र बढ़ने के साथ और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। व्यायाम हृदय रोग, मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद करता है। यह बेहतर मूड और संज्ञानात्मक कार्य को भी बढ़ावा देता है। हर हफ्ते कम से कम 150 मिनट की मध्यम–तीव्रता वाले व्यायाम जरूर करें।

तनाव को मैनेज करें– तनाव का स्वास्थ्य पर खराब प्रभाव पड़ता है, इसलिए 40 साल से ऊपर के लोगों को तनाव को मैनेज करने पर ध्यान देना चाहिए। तनाव के स्तर को कम करने के लिए योग, ध्यान या गहरी सांस लेने के व्यायाम जैसी गतिविधियों को जीवनशैली में शामिल करें। इसके अलावा मनपसंद एक्टिविटी के साथ सामाजिक गतिविधियों को प्राथमिकता दें जैसे कि प्रियजनों के साथ समय बिताना, काम से ब्रेक लेना और एंटरटेनमेंट के लिए समय निकलना।

हाइड्रेटेड रहें। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त पानी पीना महत्वपूर्ण है। 40 साल से ऊपर के लोगों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि वे पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड रहें। हर दिन कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीने का लक्ष्य रखें, शुगर के भरपूर पेय और अत्यधिक कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, इससे डिहाइड्रेशन हो सकता है।

नियमित जांच करवाएं- अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित जांच महत्वपूर्ण हैं। 40 साल से ऊपर के लोगों को सालाना बॉडी की जांच और नियमित स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह संभावित स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को जल्दी पहचानने में मदद कर सकता है। जांच में किसी भी बीमारी के शुरुआती लक्षण को जानकर उसका निदान पहले ही किया जा सकता है। साथ ही, अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को रोका जा सकता है।

धूम्रपान छोड़ दें– धूम्रपान कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम का कारक है इसलिए, 40 से ऊपर के लोगों को धूम्रपान करना छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान से हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, कैंसर और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का खतरा बढ़ जाता है और धूम्रपान छोड़ने से इन स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को काफी कम किया जा सकता है। 40 वर्ष से ऊपर के लोगों के लिए अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण बनाए रखने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना महत्वपूर्ण है। नींद को प्राथमिकता देना, एक स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, तनाव मैनेज करना, हाइड्रेट रखना, नियमित जांच–पड़ताल और धूम्रपान छोड़ने से स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है।

क्या आपको भी है बिना प्यास के पानी पीने की आदत

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंसान के शरीर का आधा हिस्सा पानी से बना हुआ है। यही वजह है कि डॉक्टर हमेशा ज्यादा से ज्यादा पानी पीने के लिए कहते हैं। यही वजह है कि हमें प्यास लगती है। पानी पीने से हमारे शरीर का टेंपरेचर कंट्रोल में रहता है और डिहाइड्रेशन की दिक्कत भी नहीं होती है। हमेशा डाइटिशियन या हेल्थ एक्सपर्ट यह सलाह देते हैं कि पूरे दिन में तीन लीटर पानी पीना ही चाहिए। हालांकि इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि ज्यादा पानी पीने से आपकी सेहत को नुकसान भी पहुंच सकता है। इसलिए सतर्क रहना भी जरूरी है।

डाइटिशियन आयुषी यादव के मुताबिक हमारे ब्रेन में एक थ्रस्ट सेंटर है। जो शरीर में पानी की कमी होने पर सिग्नल देता है। आपके शरीर को जब फील होता है कि प्यास लगी है उस वक्त पेपटाइड का सिक्रिशन होता है जिससे थ्रस्ट सेंटर को सिग्नल मिल जाता है कि अब पानी पीने की जरूरत है। प्यास लगने पर पानी पीना नॉर्मल है। लेकिन अगर बिना प्यास के भी आप पानी पीते हैं तो यह साइकोजेनिक पॉलीडिप्सिया जैसे गंभीर बीमारी के तरफ इशारा करती है। इसकी वजह से बॉडी में फ्लूइज लेवल बढ़ जाता है। जो हेल्थ के लिए एकदम ठीक नहीं है।

स्ट्रेच मार्क्स से छुटकारा दिला सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

यूनिक समय, नई दिल्ली। आमतौर पर ये देखा जाता है कि जब भी कोई महिला गर्भवती होती है तो उसके शरीर में कई बदलाव होते हैं। इसके साथ ही जब बच्चे का जन्म होता है तो उसके बाद भी काफी चीजें बदलती हैं।

इसमें सबसे अहम होता है महिला का वजन कम होना। गर्भवती महिला का पेट बड़ा हो जाता है और जब डिलीवरी के बाद वो वापस अपनी शेप लेता है तो पेट पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं। जो देखने में बेहद अजीब लगते हैं।

ये परेशानी सिर्फ महिलाओं के सामने नहीं आती, बल्कि वजन कम होने के बाद पुरुषों में भी स्ट्रेच मार्क्स की समस्या देखी जाती है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए लोग कई तरह की दवाई खाते हैं, क्रीम लगाते हैं, जिसमें हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं। आज के लेख में हम आपको स्ट्रेच मार्क्स मिटाने के कुछ घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए इससे छुटकारा पा सकते हैं।

स्किन से जुड़ी सभी समस्याओं के लिए एलोवेरा काफी फायदेमंद होता है। एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो स्ट्रेच मार्क्स कम करने में सहायक होंगे। अगर आप रोज स्ट्रेच मार्क्स पर एलोवेरा लगाएंगे तो जल्द ही इसका असर आपको दिखने लगेगा।

अंडे और विटामिन ई कैप्सूल का मिश्रण स्ट्रेच मार्क्स हटाने में काफी फायदेमंद बताया जाता है। इसके लिए अंडे के सफेद भाग का ही इस्तेमाल करना होता है। इन दोनों को बराबर मात्रा में मिलाकर आप स्ट्रेच मार्क्स पर नियमित रूप से लगाएं। कुछ ही समय में इसका असर दिखने लगेगा।

खाना खाने के बाद क्यों खाना चाहिए गुड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। हमारे देश में गुड़ को प्राकृतिक मिठाई के रूप में पहचान मिली हुई है। गुड़ न सिर्फ स्वाद में अच्छा होता है बल्कि ये हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। गुड़ खाने से जुकाम और कफ की समस्या नहीं होती है। साथ ही गुड़ खाने से शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है।

प्रतिदिन खाना खाने के बाद गुड़ का एक टुकड़ा खाने से हमारा पाचन तंत्र भी अच्छे से काम करता है, और यह हमारे बढ़ते वजन को नियंत्रित करने में भी बहुत सहयोगी है। तो चलिए जानते है कि गुड़ खाने से और कौन से लाभ होते हैं।

ब्लड प्रेशर करे नियंत्रित-गुड़ खाने के बहुत से फायदों में से एक फायदा यह भी है कि गुड़ हमारे ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है।

हाई ब्लड प्रेशर वालों के लिए तो गुड़ का सेवन करना अमृत के सामान माना जाता है गुड़ में मौजूद पोषक तत्व शरीर का स्टैमिना बढ़ाने के साथ ही हमें एक्टिव भी रखते हैं।

आप चाहें तो गुड़ को सीधे ही खा सकते है और यदि आपको गुड़ ज्यादा पसंद नहीं है तो आप गुड़, नींबू का रस और काला नमक मिला कर इसका सेवन कर सकते हैं।

आंखों की कमजोरी में फायदेमंद- जिन लोगों को आंखों की रोशनी से सम्बंधित समस्याएं होती है उनके लिए गुड़ खाना बहुत लाभकारी है। यह आंखों की कमजोरी को दूर कर आंखों की रोशनी को बढ़ाने में कारगर है।

हड्डियों को बनाए मजबूत- गुड में कई प्रकार के पोषक तत्वों के साथ ही कैल्शियम और फास्फोरस भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

जो हमारी हड्डियों को मजबूती देता है। खासकर बढ़ती उम्र के बच्चों की हड्डियों में मजबूती के लिए गुड़ खाना बेहद जरूरी है।

फायदे जानकर रह जाएंगे हैरान

बच गई हैं रोटियां तो न हों परेशान

झटपट तैयार करें रोटी समोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हर भारतीय घर में लंच और डिनर में रोटी खाना ही पसंद किया जाता है। ये खाने में जितनी सिंपल होती है, उतनी ही पौष्टिक होती है। गर्मागर्म रोटियां खाना हर किसी को पसंद होता है। पर, कई बार ऐसा होता है कि जब आप रोटी बना कर रखती हैं तो वो बच जाती हैं। ऐसे में इसे फेंकने का मन भी नहीं करता। इसी के चलते आपकी इस परेशानी का हल आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

दरअसल, आज हम आपको बची हुई रोटियों से टेस्टी समोसे बनाना सिखाएंगे। समोसे खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि, मैदे के समोसे लोग नहीं खाते क्योंकि मैदा शरीर को नुकसान

पहुंचाती है। ऐसे में आप बची हुई रोटी से जब समोसे बनाएंगे तो ये खाने में भी काफी टेस्टी लगेंगे और इसे खाने से ज्यादा नुकसान भी नहीं होगा। तो आइए देर ना करते हुए आपको बची हुई रोटियों से समोसे बनाना सिखाते हैं।

सामग्री- रोटीः 4, आलू उबलेः 2–3, बेसन : 3 टी कप, हरी मिर्च कटी : 2, लाल मिर्च पाउडर : 1/2 टी स्पून, गरम मसाला : 1/2 टी स्पून, कलौंजी : 1/2 टी स्पून, हरी धनिया पत्ती 2–3 टेबलस्पून, तेल : तलने के लिए, नमक : स्वादानुसार।

विधि- रोटी के समोसा बनाने के लिए सबसे पहले आप आलू उबाल कर इन्हें ठंडा कर लें। अब इसका छिलका उतार करके अच्छी तरह से मैश कर लें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल डाल कर उसमें कलौंजी और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकेंड भूनें। इसके बाद मसला हुआ आलू कड़ाही में डालें और उसे चम्मच की मदद से चलाते हुए फ्राई करें। इसे कुछ मिनट तक अच्छे से भूनें। इसके बाद अब इसमें सभी मसाले और नमक डाल कर अच्छे से मिला लें। जब ये तैयार हो जाए तो इसके ऊपर धनिए की पत्तियां डालें। अब इसे अलग रख कर ठंडा कर लें। समोसे को चिपकाने के लिए बेसन का गाढ़ा घोल तैयार करें। इसके बाद रोटी को बीच से काट लें। अब एक टुकड़ा लेकर इसका कोन बनाएं और इसमें आलू की फिलिंग भरें। लास्ट में इसे समोसे का आकार देकर बेसन के घोल की मदद से चिपका दें। अब एक कड़ाही तेल गर्म करके उसमें रोटी समोसा को डालकर डीप फ्राई करें। इसे चटनी के साथ गर्मागर्म ही परोसें।

सम्पादकीय

सहकार भाव से काम करने वालों को मिलेगी संजीवनी

सहकारिता की मूल भावना है– 'एक सबके लिए, सब एक के लिए।' इसी भावना पर चलते हुए सहकारिता आंदोलन के जरिए देश में कई उद्यमों ने कीर्तिमान कायम किए हैं। लेकिन एक तथ्य यह भी है कि निजीकरण की बाढ़ में पिछले सालों में सबसे ज्यादा चोट सहकारी आंदोलन को ही पहुंची है। संतोष की बात यह है कि अब केन्द्र सरकार दो बड़े क्षेत्रों में सहकारिता को दाखिल कराने जा रही है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मॉडल की टैक्सी सर्विस और कोऑपरेटिव इंश्योरेंस कंपनी की शुरुआत का ऐलान किया है।

पवन गौतम
संपादक

भारत में सहकारिता आंदोलन के इतिहास पर नजर डालें तो सहकार के जरिए कारोबार का सबसे बड़ा उदाहरण गुजरात की दुग्ध क्रांति को कहा जा सकता है। त्रिभुवन पटेल और डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में यह आंदोलन एक बड़ी सफलता बनकर उभरा और आज दुग्ध व दुग्ध उत्पादों का बड़ा उद्योग देशभर में इस आंदोलन के जरिए खड़ा हो गया है। इस सहकारिता क्रांति ने न केवल दूध उत्पादकों को सशक्त किया, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देने का काम किया है, इसमें संशय नहीं है। पिछले सालों में केन्द्र सरकार के 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के तहत भी सहकारिता के क्षेत्र में कई गतिविधियां हुई हैं जिनसे किसानों व महिलाओं को बड़ी संख्या में सहकारिता आंदोलन से जोड़ा गया है। फिर भी चिंता की बात यह है कि आज के वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य में छोटे उद्योगों और असंगठित क्षेत्र के लिए चुनौती दिन–प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। इसकी वजह कारोबारी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना भी रहा है। सहकारिता के माध्यम से टैक्सी सर्विस शुरू होने पर बड़े असंगठित वर्ग को सुरक्षा कवच मिलेगा, यह उम्मीद की जानी चाहिए। निजी क्षेत्र की टैक्सी सेवाओं में इनसे जुड़े लोगों का कितना शोषण होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। 'कोऑपरेटिव टैक्सी सर्विस' जैसी पहल से टैक्सी, ऑटो, बाइक और रिक्शा चालकों को न केवल उचित मेहनताना व सम्मान मिलेगा बल्कि आम जनता को भी अपेक्षाकृत सस्ता परिवहन उपलब्ध हो सकेगा। सहकारी मॉडल का इंश्योरेंस क्षेत्र में प्रवेश का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि निजी क्षेत्र में काम कर रही बीमा कंपनियों की मनमानी पर रोक लगेगी। यह इसलिए भी क्योंकि बीमा आज सबके लिए जरूरी हो गया है।

वैसे भी सहकारिता आंदोलन को आज हर क्षेत्र में पुनर्जीवित करने की जरूरत है। वैसे तो गांवों में भी ग्राम सेवा सहकारी समितियां कार्यरत हैं लेकिन इनमें भी राजनीति घुसने लगी है। एक तथ्य यह भी है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पहुंच ने वस्तु व सेवाओं के हर क्षेत्र में एकाधिकार सा कायम करना शुरू कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सहकारिता को बढ़ावा देने के प्रस्तावित प्रयास ठोस व सुनियोजित तरीके से शुरू होंगे ताकि सहकार भावना से काम करने वाली संस्थाओं को संजीवनी मिल सके।

नजरिया

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

ललित गर्ग

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फ़ैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था– नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फ़ैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्ट्स को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का

मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया। महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए। महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है देश में बढ़ रही यौन–शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय–व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये–नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

विचार विण्डो

कैसे रुक पायेगा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण

रमेश सर्राफ धमोरा

उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं।

हमारे देश के राजनेताओं में दिन–प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकर्ताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है। एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख–दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना–देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है।

1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी।

वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे–छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छूट–भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता हैं।

चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के

सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पीड़ित के बार–बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है।

एडीआर के अनुसार 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी बीजेपी के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) बीजेपी उम्मीदवार, 32 (32 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, छह (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार केरल के 20 में से 19 (95 प्रतिशत) सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 11 गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। तेलंगाना के 17 में से 14 (82 प्रतिशत), ओडिशा के 21 में से 16 (76 प्रतिशत), झारखंड के 14 में से 10 (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु के 39 में से 26 (67 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। वहीं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर हरियाणा 10 और छत्तीसगढ़ 11 सांसद में केवल एक–एक सांसद पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पंजाब के 13 में से 2, असम के 14 में से 3, दिल्ली के 7 में से 3, राजस्थान के 25 में से 4, गुजरात के 25 में से 5 और मध्य प्रदेश के 29 में से 9 सांसदों पर आपराधिक मामले लंबित हैं।

एक जनवरी 2025 तक वर्तमान या पूर्व विधायकों के खिलाफ कुल 4,732 आपराधिक मामले लंबित थे। इनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 1,171 मामले दर्ज हैं। ओडिशा (457), बिहार (448), महाराष्ट्र (442), मध्य प्रदेश (326), केरल (315), तेलंगाना (313), कर्नाटक (255), तमिलनाडु (220), झारखंड (133) और दिल्ली (124) मुकदमे लंबित हैं। उपरोक्त आंकड़ों को देखने से लगता है कि हमारे देश की राजनीति में आपराधियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो यह देश के लिए एक बड़ा नासूर बन जाएगी। एक समय ऐसा होगा जब राजनीति का पूरी तरह अपराधीकरण हो जाएगा और स्वच्छ छवि के लोग राजनीति से दूर होते चले जाएंगे। ऐसी स्थिति देश के लिए अच्छी नहीं होगी। सरकार को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने होंगे तभी राजनीति में बढ़ती अपराधियों की संख्या पर लगाम लग पाएगी।

चेपॉक में आरसीबी का इम्तिहान

क्या 17 साल की हार का सिलसिला टूटेगा?

यूनिक समय, नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम अपने दूसरे मैच में एक बड़ी चुनौती का सामना करने जा रही है। आईपीएल 2025 का यह 8वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में खेला जाएगा। आरसीबी के लिए यह मुकाबला बेहद अहम होने वाला है क्योंकि वह इस मैदान पर पिछले 17 सालों से एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है।

चेपॉक स्टेडियम पर आरसीबी का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। आईपीएल इतिहास में दोनों टीमों के बीच इस मैदान पर अब तक 9 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से 8 बार जीत चेन्नई सुपर किंग्स के हाथ लगी है, जबकि आरसीबी ने सिर्फ एक बार बाजी मारी है। यह एकमात्र जीत आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 में आई थी। उसके बाद से आरसीबी इस मैदान पर सीएसके को नहीं हरा पाई है।

आईपीएल के समग्र आंकड़ों की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक 33 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से चेन्नई सुपर किंग्स ने 21 बार जीत दर्ज की है, जबकि आरसीबी सिर्फ 11 बार ही जीत सकी है। एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा है।

अगर हम दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 5 मुकाबलों की बात करें, तो यहां भी चेन्नई सुपर किंग्स का दबदबा नजर आता है। सीएसके ने इन 5 मैचों में से 3 में जीत दर्ज की है, जबकि आरसीबी ने 2 मैच जीते हैं। हालांकि, आरसीबी ने दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी मैच में 27 रनों से जीत हासिल की थी, जिससे उसे आत्मविश्वास जरूर मिलेगा।

आरसीबी ने आईपीएल 2025 में शानदार शुरुआत की है और इस सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज कर चुकी है। लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेपॉक में जीत दर्ज करने के लिए उसे अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी। चेन्नई की टीम अपने घरेलू मैदान पर काफी मजबूत मानी जाती है, और स्पिनर्स को मदद मिलने की संभावना भी रहती है, जो आरसीबी के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

अब देखना होगा कि क्या आरसीबी इस बार चेन्नई के किले को भेद पाएगी और 17 साल के सूखे को खत्म कर पाएगी या फिर सीएसके का वर्चस्व कायम रहेगा। दोनों टीमों के फैंस इस हाई-वोल्टेज मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन बने डायरेक्टर

'कृष 4' की कमान खुद संभाली

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन एक बार फिर से अपने सुपरहिट सुपरहीरो किरदार 'कृष' के साथ लौटने को तैयार हैं। इस बार खास बात यह है कि वे सिर्फ इस फिल्म में अभिनय ही नहीं, बल्कि निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभालने जा रहे हैं। 51 साल के इस दिग्गज अभिनेता ने 'कृष 4' का निर्देशन करने का फैसला किया है, जिससे उनके प्रशंसकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस खबर की पुष्टि की है कि 'कृष 4' को राकेश रोशन और आदित्य चोपड़ा मिलकर प्रोड्यूस करेंगे, जबकि ऋतिक रोशन खुद इसका निर्देशन करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन लगभग एक साल से जारी है, और 2026 की शुरुआत में यह फ्लोर पर आ सकती है।

हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ऋतिक रोशन की 'कृष' फ्रेंचाइजी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और सफल सुपरहीरो फिल्मों में से एक रही है। इसकी शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसने दर्शकों को जादू जैसे अनोखे एलियन से मिलवाया था। इसके बाद 2006 में आई 'कृष' और फिर 2013 में 'कृष 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई की थी। हर फिल्म ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी और बॉलीवुड में सुपरहीरो जॉनर को एक नई उंचाई दी।

अभी तक 'कृष 4' की स्टारकास्ट का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन ऋतिक रोशन के निर्देशन की खबर ने इस फिल्म को लेकर और भी ज्यादा एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। ऋतिक को ग्रीक गॉड कहा जाता है, और उनकी परफॉर्मेंस हमेशा टॉप क्लास रही है। अब देखना दिलचस्प होगा कि एक्टिंग के साथ-साथ डायरेक्शन में वे कितने सफल होते हैं।

फैंस इस बड़े प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'कृष 4' के जरिए ऋतिक रोशन अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो उनके करियर का एक और माइलस्टोन साबित हो सकता है। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि आखिरकार 'कृष 4' कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ दो कदम दूर बाबर आजम

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तानी टीम इस समय न्यूजीलैंड दौरे पर गई हुई है, जहां वह पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल चुकी है। अब वनडे सीरीज की शुरुआत 29 मार्च से होगी। टी20 सीरीज के लिए स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को जगह नहीं मिली थी। अब वनडे सीरीज में वह शामिल हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बाबर का बल्ला खामोश रहा था और वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उनका ध्यान बेहतरीन प्रदर्शन करने पर होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अगर बाबर दो शतक लगा देते हैं, तो वह पाकिस्तान के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले प्लेयर बन जाएंगे।

पाकिस्तान के लिए वनडे क्रिकेट में बाबर आजम ने अभी तक 128 वनडे मैचों में 19 शतक लगाए हैं। वह पाकिस्तान के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। सईद अनवर ने पाकिस्तान के लिए वनडे क्रिकेट में 20 शतक लगाए हैं। अब अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ बाबर दो शतक लगाने में कामयाब हो जाते हैं, तो वह वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले प्लेयर बन जाएंगे और पहले स्थान पर पहुंच जाएंगे। इसके लिए बाबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

बाबर आजम ने पाकिस्तान के लिए वनडे क्रिकेट में साल 2015 में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह पाकिस्तानी टीम की अहम कड़ी बन गए हैं।

उन्होंने अभी तक पाकिस्तानी टीम के लिए 128 वनडे मैचों में कुल 6106 रन बनाए हैं, जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। वह पाकिस्तानी टीम के लिए 4235 टेस्ट रन और टी20 इंटरनेशनल में 4223 रन बना चुके हैं।

वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम का स्क्वॉडः इमाम-उल-हक, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान (कप्तान/विकेटकीपर), अब्दुल्ला शफीक, सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, इरफान खान, अबरार अहमद, नसीम शाह, मोहम्मद वसीम जूनियर, आकिफ जावेद, मोहम्मद अली, सुफियान मुकीम, हारिस रऊफ, उस्मान खान।

इमरान हाशमी की 'ग्राउंड जीरो' का टीजर रिलीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का आधिकारिक टीजर रिलीज हो गया है। 1 मिनट 11 सेकंड के इस वीडियो में इमरान को एक बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे के रूप में दिखाया गया है, जो देश की रक्षा के लिए एक खतरनाक मिशन पर निकले हैं।

फिल्म रियल लाइफ स्टोरी पर आधारित है, जिसमें कश्मीर के अशांत माहौल को दिखाया गया है। साल 2001 में कश्मीर में 70 सैनिकों के शहीद होने की घटना पर यह फिल्म आधारित है।

टीजर में जबरदस्त एक्शन और दमदार डायलॉग्स देखने को मिल रहे हैं, जो दर्शकों को फिल्म के प्रति और भी उत्साहित कर रहे हैं। इमरान हाशमी का फौजी अवतार और उनकी एक्टिंग स्किल्स इस फिल्म को खास बना रहे हैं।

फिल्म को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने प्रोड्यूस किया है। इसमें मुकेश तिवारी, दीपक परमेश, ललित प्रभाकर और रॉकी रैना जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। देशभक्ति, एक्शन और बलिदान की इस कहानी को दर्शक 25 अप्रैल 2025 से सिनेमाघरों में देख सकेंगे। टीजर रिलीज के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है।

25 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

सलमान-रश्मिका की रोमांटिक केमिस्ट्री दिखी नए गाने में

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और साउथ की मशहूर अदाकारा रश्मिका मंदाना की जोड़ी इस बार फिल्म 'सिकंदर' में धमाल मचाने के लिए तैयार है। साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनी यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म के रिलीज से पहले मेकर्स ने एक नया रोमांटिक गाना 'हम आपके बिना' पेश करने का ऐलान किया है।

मेकर्स ने हाल ही में इस गाने का टीजर सोशल मीडिया पर जारी किया, जिसमें सलमान खान और रश्मिका मंदाना की दिल छू लेने वाली रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली। इस गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी सुरीली आवाज में गाया है, जबकि संगीत प्रीतम ने दिया है और इसके बोल समीर अंजान ने लिखे हैं।

'हम आपके बिना' एक दिल को छू लेने वाला रोमांटिक गाना है, जिसकी धुनें श्रोताओं के दिलों में बस जाने वाली हैं। मेकर्स ने इसे लेकर उत्साह बढ़ाते हुए कहा, "बेमिसाल मोहब्बत का एहसास करने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि 'सिकंदर' का रोमांटिक गाना 'हम आपके बिना' शाम 4 बजे रिलीज हो रहा है।"

इस गाने की छोटी सी झलक ने ही फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह भर दिया है। सलमान खान के चाहने वाले लंबे समय बाद उन्हें एक दमदार भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को एक नई ताजगी का एहसास कराने वाली है।

'सिकंदर' का हर गाना पहले ही खूब सुर्खियां बटोर चुका है। 'जोहरा जबीन', 'बम बम भोले' और 'सिकंदर नाचे' जैसे गानों ने पहले ही फिल्म को चर्चाओं में ला दिया है। अब 'हम आपके बिना' इस रोमांच को और बढ़ाने वाला है। यह फिल्म 30 मार्च 2025 को ईद के खास मौके पर रिलीज होने जा रही है। ए.आर. मुरुगदॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान एक नए अंदाज में नजर आएंगे। फैंस की निगाहें अब इस बड़े पर्दे की ब्लॉकबस्टर पर टिकी हैं।

सुविचार

सकारात्मक सोच हर समस्या का समाधान है तथा नकारात्मक सोच हर समाधान की समस्या है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	07:55-04:27 तक	पक्ष		कृष्ण
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	10:09-07:26 तक	माह		चैत्र
सूर्योदय		6:16 AM	चन्द्रोदय		05:58 AM
सूर्यास्त		6:31 PM	चंद्रास्त		06:37 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र		मीन राशि
शुभ मुहूर्त	अभिजीत	11:59 AM –12:48 PM	ब्रहम् मुहूर्त		04:42-05:30
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्		2081
राहुकाल		09:20AM–10:52AM	वार		शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

तुला राशि की इन राशि वाले जातकों के साथ बनती है परफेक्ट जोड़ी

कभी नहीं तोड़ते भरोसा

यूनिक समय, मथुरा। तुला राशि के जातक सुंदर और खुशमिजाज होते हैं। बता दें कि इस राशि को तराजू के साइन से दर्शाया जाता है। सामान्य स्थितियों में इस राशि के जातक संतुलित होते हैं। वहीं स्थिति के बिगड़ने पर इस राशि के जातकों का मूड सबसे पहले बिगड़ता है।

ज्योतिष के मुताबिक तुला राशि चक्र की सातवीं और बेहद अहम राशि है। यह राशि वायु तत्व की राशि है और इसके स्वामी शुक्र हैं। बता दें कि शुक्र को प्रेम और साझेदारी का स्वामी कहा गया है। ज्योतिष में तुला को तराजु के चिन्ह से प्रदर्शित किया गया है। जो इस राशि के बैंलेस्ड नेचर को दिखाता है। इस राशि के जातकों के नाम का पहला अक्षर रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू या ते से शुरू होता है। कहा जाता है कि इस राशि के जातकों को अपने आसपास लोगों को जमावड़ा पसंद होता है। वहीं यह लोग सतर्क, आकर्षक और संतुलित रहना पसंद करते हैं। आइए जानते हैं कि किस राशि के लोग तुला राशि के लिए अच्छे जीवनसाथी के रूप में देखे जाते हैं।

तुला राशि के लोगों का स्वभाव

तुला राशि के जातकों को किसी भी परिस्थिति में अकेला रहना पसंद नहीं होता है। वह हमेशा नए लोगों के संपर्क में आते हैं। साथ ही तुला राशि के जातक दूसरों के साथ कैसे संबंध विकसित किए जाएं, इस बात को बखूबी समझते हैं। आसपास के लोगों को उनके व्यक्तित्व की आभा उनके प्रति आकर्षित करने का काम करती है। ऐसे जातक मिलनसार होने के साथ ही साथ टीम में काम करना पसंद करते हैं।

तुला- वृष : ज्योतिष के मुताबिक, इन दोनों राशियों के जातक विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं। तुला और वृष राशि के जातकों को लक्ष्य शांति और खुशहाली के साथ जीवन जीना होता है। दोनों ही राशियों के स्वामी शुक्र देव हैं। ऐसे में इन राशियों के जातक एक–दूसरे के लिए अच्छे जीवनसाथी माने गए हैं। दोनों राशियों का मिलनसार स्वभाव इन्हें एक–दूसरे के और करीब लाता है। वहीं तुला और वृषभ के बीच अनुकूलता का स्तर भी काफी अच्छा होता है। यदि इन राशियों के जातक एक–दूसरे से शादी करते हैं तो इनका प्यार जीवनभर बना रहता है।

तुला-तुला: तुला और तुला राशि के लोग एक साथ किसी रिश्ते में आते हैं तो इनके रिश्तों में अनुकूलता और सामंजस्य देखने को मिलता है। आपसी समझ से इनके बीच की चीजें और अधिक खूबसूरत बनती हैं। वहीं जब बात जीवनसाथी चुनने की हो, तो यह किसी प्रकार की जल्दबादी नहीं दिखाते हैं। इनके बीच मतभेद की संभावनाएं काफी कम होती हैं। यह धीरे–धीरे किसी भी व्यक्ति पर विश्वास करते हैं। वहीं एक बार रिश्ते में आने के बाद इस राशि के जातक पूरी ईमानदारी से उस रिश्ते को निभाते हैं।

तुला-मिथुन: ज्योतिष के अनुसार, तुला राशि और मिथुन राशि के जातक भी अच्छे जीवनसाथी होते हैं। तुला राशि के जातकों को अपने परिवार और प्रिय लोगों के देखभाल करने की आदत होती है। ऐसे में इमोशनल सपोर्ट की तलाश में रहने वाले मिथुन राशि के जातकों के लिए तुला राशि का यह गुण अच्छा संबंध स्थापित करने में मदद करता है। इन दोनों राशियों का रिश्ता इतना प्यारा और जीवंत होता है कि यह एक–दूसरे को कभी बोरियत महसूस नहीं होने देते हैं। तुला और मिथुन राशि के जातकों को जीवन में ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

तुला-कुंभ : ज्योतिष के अनुसार, तुला राशि और कुंभ राशि के जातक आमतौर पर खुले विचारों वाले होते हैं। यह लोग आपस में अच्छे मित्र होते हैं। साथ ही तुला और कुंभ राशि के लोग जब किसी रिश्ते में होते हैं, तो वे दोनों एक–दूसरे से प्यार करना और एक–दूसरे की उचित देखभाल करना जानते हैं। वहीं इन राशियों के स्वामी भी इन्हें संबंध बेहतर बनाने के लिए अपना आशीर्वाद देते हैं। यह अपनी मैरिड लाइफ को बैलेंस करके चलना पसंद करते हैं। हालांकि कई बार इन राशि के जातकों के बीच मतभेद की भी स्थिति देखने को मिलती है। लेकिन यह आपसी तालमेल से उन परेशानियों को दूर करने में मददगार होते हैं।

तुला- वृश्चिक: तुला और वृश्चिक राशि के जातक कई मायनों में एक सुंदर और मधुर संबंध बनाने की कामयाब रहते हैं। दोनों ही राशि के लोग एक–दूसके के लिए त्याग और बलिदान के लिए तैयार रहते हैं। इनके स्वभाव का लचीलापन इन्हें एक–दूसरे के करीब लाने में मदद करता है। हालांकि दोनों का स्वभाव जिद्दी और आवेगी होता है। लेकिन इसके बाद भी यह अपने रिश्ते में स्टेबिलिटी हासिल कर लेते हैं। इन्हें जीवन में अधिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। इस राशि के जातक एक–दूसरे के लिए अच्छे जीवनसाथी साबित हो सकते हैं।

घर में खुशहाली लेकर आएगा ये पौधा, सही दिशा में लगाने से होगा फायदा

यूनिक समय, मथुरा। हर कोई घर को अलग–अलग तरीके से सजाता है। कुछ लोग डेकोर आइटम्स के साथ अपना आशियाना डेकोरेट करते हैं तो कुछ पेड़–पौधों के साथ। पेड़–पौधों को घर में लगाने से सुंदरता तो बढ़ती ही है साथ में वास्तु मान्यताओं के अनुसार, कुछ पौधे घर में खुशहाली भी लेकर आते हैं। उन्हीं में से एक है गुड़हल का पौधा। गुड़हल का पौधा घर में लगाने से बरकत आती है और धन के भी विशेष योग बनते हैं। इसके फूल रंग और गुलाबी रंग के होते हैं।

पूर्व दिशा : वास्तु मान्यताओं के अनुसार, घर में कोई भी चीज लगाने से पहले दिशा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। गुड़हल का पौधा घर की पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इस दिशा में रखने से आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होगी।

आर्थिक परेशानी होगी दूर : यह पौधा लगाने से कुंडली में सूर्य की स्थिति तो मजबूत होगी ही साथ में किसी भी तरह की आर्थिक समस्याएं भी दूर होगी।

नेगेटिव एनर्जी दूर : यह पौधा घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार भी बढ़ाता है।

पूजा–पाठ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला यह पूजा बहुत ही शुभ माना जाता है। मां लक्ष्मी की पूजा में इस फूल का मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता है।मां लक्ष्मी को यह फूल अर्पित करने से धन–धान्य प्राप्त होता है।

मंगल दोष भी होता है ठीक : इसके अलावा यदि किसी की कुंडली में मंगल दोष है या मंगल ग्रह कमजोर है तो घर में गुड़हल का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। इससे जातक का मंगल दोष दूर होता है।

करियर में मिलेगी तरक्की: गुड़हल का पौधा लगाने से करियर संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। मान्यताओं को अनुसार, जातकों को सुबह सूर्य को जल देना चाहिए। जल में गुड़हल का फूल सूर्य देव को अर्पित करना चाहिए। इससे करियर संबंधी परेशानियां दूर होती हैं।

महाभारत की पांच रहस्यमयी महिलाएं, कोई थी राक्षसी तो कोई नागकन्या

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत में अनेक महिलाओं के बारे में बताया गया है। इनमें से प्रमुख महिलाओं जैसे सत्यवती, द्रौपदी, कुंती और गांधारी आदि के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन महाभारत में कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता है। इन महिलाओं के बारे में अधिक जानकारी तो नहीं मिलती है, लेकिन फिर भी कुछ मौकों पर इन महिलाओं की महाभारत में बड़ी भूमिकाएं बताई गई हैं।

मणिपुर की राजकुमारी चित्रांगदा

ये मणिपुर की राजकुमारी और अर्जुन की पत्नी थी। वनवास के दौरान अर्जुन ने इनसे विवाह किया था। इनका पुत्र बभ्रुवाहन अत्यंत पराक्रमी था। जब युधिष्ठिर ने अश्वमेध यज्ञ किया तो वो घोड़ा घूमते हुए मणिपुर आ गया। यहां अर्जुन और उनके पुत्र बभ्रुवाहन के बीच भयानक युद्ध हुआ। इस युद्ध में बभ्रुवाहन ने अर्जुन का वध कर दिया था।

नाग कन्या उलूपी

उलूपी एक नागकन्या थी, जिसका विवाह अर्जुन से हुआ था। महाभारत के अनुसार, जब अपने पुत्र बभ्रुवाहन के हाथों अर्जुन मारे गए तो दिव्य मणि से उलूपी ने ही अर्जुन को पुनर्जीवित किया था। उलूपी के बारे में महाभारत में अधिक वर्णन तो नहीं मिलता, लेकिन अर्जुन को पुनर्जीवित करने में इसी नागकन्या का योगदान रहा।

दुर्योधन की पत्नी भानुमती

ये कंबोज राज्य की राजकुमारी थी और दुर्योधन की पत्नी भी। भानुमति को युद्ध आदि सभी कलाओं का इन्हें अच्छे से ज्ञान था। कुछ ग्रंथों में ये भी लिखा गया है कि भानुमति मल्लयुद्ध में भी पारंगत थी। इनकी पुत्री लक्ष्मणा का विवाह श्रीकृष्ण के पुत्र सांब से हुआ था।

तंत्र–मंत्र में माहिर थी राक्षसी हिडिंबा

हिडिंबा राक्षस की बहन थी हिडिंबा। ये भीम की पत्नी और घटोत्कच की माता थीं। राक्षस जाति की होने के कारण ये तंत्र–मंत्र आदि क्रियाएं बहुत अच्छे से जानती थी। हिडिंबा का एक मंदिर हिमाचल में स्थित है, जहां इनकी पूजा होती है। इस मंदिर में जानवरों के सींग ही सींग दिखाई देते हैं।

घटोत्कच की पत्नी मोरबी

महाभारत में मोरबी के बारे में भी अधिक जानकारी नहीं है, लेकिन इन्हें तंत्र–मंत्र की जानकार और घटोत्कच की पत्नी बताया गया है। मोरबी को युद्ध में हराकर ही घटोत्कच ने उनसे विवाह किया था। इनके पुत्र का नाम बर्बरीक था, जिनकी पूजा आज श्याम के नाम से की जाती है।

विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों आपका अपना यूनिक समय भरपूर कोशिश करता है कि आपके पास दिनभर की चर्चा, परिचर्चा, गतिविधियाँ और नवीनतम खबरें आप तक पहुँचाए, लेकिन फिर भी हमसे त्रुटि रह जाती हैं। आपसे अनुरोध है कि सुधि पाठक होने के नाते आप हमें अवगत कराते रहे, जिससे हम और बेहतर खबरें आपको पढ़ाते रहे। .... धन्यवाद

पोस्टमार्टम में खौफनाक खुलासा

शाहजहांपुर : निर्दयी पिता ने चार मासूम बच्चों की हत्या की थी

यूनिक समय, नई दिल्ली। शाहजहांपुर जिले के मानपुर चचरी गांव में बुधवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। राजीव नामक व्यक्ति ने अपने ही चार मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर दी और फिर आत्महत्या कर ली।

रोजा थाना क्षेत्र के इस गांव में राजीव ने अपने बच्चों की बेरहमी से हत्या की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, उसने पहले बच्चों का मुंह दबाया और फिर गड़ासे से गला रेत दिया। घटना के समय उसके चारों बच्चे गहरी नींद में थे।

बड़ी बेटी स्मृति (13 वर्ष) कक्षा आठ में पढ़ती थी, कीर्ति (9 वर्ष) कक्षा पांच की छात्रा थी, प्रगति (7 वर्ष) और ऋषभ (5 वर्ष) भी घर पर सो रहे थे। रात करीब 11 बजे जब कीर्ति अपने दादा पृथ्वीराज के पास आकर लेटी, तो राजीव उसे उठाकर वापस कमरे में ले गया और दरवाजा बंद कर लिया। रात 12 बजे तक पृथ्वीराज ने शौचालय के टैंक से झांककर देखा तो बच्चे सो रहे थे। लेकिन आधी रात के बाद राजीव ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि बच्चों को एक ही वार में मौत के घाट उतारा गया। कीर्ति और प्रगति पेट के बल लेटी हुई थीं और उनकी गर्दन पीछे से काटी गई थी, जबकि स्मृति और ऋषभ का सामने से गला काटा गया था। हत्या करने के बाद राजीव ने उसी गड़ासे को चारपाई पर रख दिया और फिर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले दिन में ही राजीव ने अपनी पत्नी कौशल्या को पीटकर घर से भगा दिया था। कौशल्या ने जाते समय बच्चों को साथ ले जाने की कोशिश की थी, लेकिन राजीव ने बेटे को छीन लिया और उसे खिलौने देकर शांत कर दिया। स्कूल में पढ़ाई कर रही कीर्ति ने मां के साथ जाने से यह सोचकर मना कर दिया कि पिता उसे कुछ नहीं करेगा, लेकिन वह गलत साबित हुई। राजीव काफी समय से आत्मघाती विचारों से जूझ रहा था। उसने पहले भी सल्फास की गोलियां लाने की कोशिश की थी, लेकिन उसकी पत्नी ने उन्हें तालाब में फेंक दिया था। घटना के बाद गांव में सन्नाटा छा गया और मृतक बच्चों की मां बार-बार यही कहती रही कि "मुझे भी मार दो... अब मैं जिंदा रहकर क्या करूंगी?"राजीव आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव से गुजर रहा था। परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए रिश्तेदार बच्चों को गोद लेने को तैयार थे, लेकिन राजीव ने यह स्वीकार नहीं किया। कुछ समय पहले जब उसके बहनोई ने कीर्ति को अपने घर ले जाने की कोशिश की, तो राजीव ने धमकी दी कि वह उनके घर में आग लगा देगा, जिसके बाद बच्ची को वापस भेज दिया गया। यह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि समाज के लिए एक बड़ा सवाल भी है कि मानसिक तनाव और आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यक्ति को सही समय पर सहायता कैसे दी जाए। यदि राजीव को समय रहते सही मानसिक चिकित्सा और आर्थिक सहायता मिलती, तो शायद यह घटना टल सकती थी।

सीएम योगी ने लोकबंधु अस्पताल में बीमार बच्चों का हाल जाना

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में भर्ती निर्वाण संस्था के मानसिक मंदित बच्चों का हाल जानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह पहुंचे। चार दिन पहले संस्था में भोजन करने के बाद 70 बच्चे बीमार हो गए थे, जिनमें से चार की मौत हो चुकी है। अभी भी 27 बच्चों का इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल में बच्चों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों को निर्देश दिए कि बच्चों को पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही डिस्चार्ज किया जाए। साथ ही, उनके लिए भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था करने का भी आदेश दिया।

लोकबंधु अस्पताल के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि गुरुवार को 16 बच्चों को भर्ती किया गया था, जिनकी हालत अब स्थिर है। अस्पताल प्रशासन उनकी नियमित निगरानी कर रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। अब तक सामने आया है कि 12 वर्षीय सूरज की 25 मार्च को बलरामपुर अस्पताल में मौत हुई थी, लेकिन इसे दबाने की कोशिश की गई। इस घटना में अब तक चार बच्चों की जान जा चुकी है, जबकि एक बच्चा आईसीयू में गंभीर हालत में है।

निर्वाण आश्रय केंद्र लखनऊ के बुद्धेश्वर क्षेत्र में स्थित है और पीपीपी मॉडल पर संचालित होता है। यहां 147 मानसिक मंदित, अनाथ और बेसहारा बच्चे रहते हैं। 23 मार्च की रात खाना खाने के बाद बच्चों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मृत बच्चों की डेथ ऑडिट के लिए तीन डॉक्टरों की कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य पहलुओं की जांच करेगी, जिससे घटना के कारणों का पता चल सके।

प्रतापगढ़ में युवती की संदिग्ध मौत पर बवाल

यूनिक समय, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के रानीगंज स्थित दुर्गागंज बाजार में शुक्रवार को एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद भारी बवाल हो गया। युवती मां मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में कार्यरत थी। परिजनों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जब भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया, तो आक्रोशित ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में सीओ रानीगंज विनय प्रभाकर साहनी

पथराव में पुलिसकर्मी घायल

समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के बाद दुर्गागंज बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है और सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल के बाहर फोर्स तैनात कर दी गई है। रानीगंज के सपा विधायक डॉ. आरके वर्मा मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से मामले की जानकारी ली।

अलीगढ़ में मार्च में ही मई जैसी गर्मी

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ में इस बार गर्मी ने अपने तेवर दो महीने पहले ही दिखाने शुरू कर दिए हैं। आमतौर पर मई में महसूस की जाने वाली चिलचिलाती धूप मार्च में ही लोगों को झुलसाने लगी है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में अचानक हो रही बढ़ोतरी जलवायु परिवर्तन का नतीजा है। एएमयू भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. निजामुद्दीन खान के अनुसार, फरवरी से ही गर्मी का असर दिखने लगा था, और अब मार्च में मई जैसी गर्मी महसूस हो रही है।

डॉ. अहमद मुज्तबा सिद्दीकी

टूटा 10 साल का रिकॉर्ड

का कहना है कि इस साल पश्चिमी विक्षोभ कमजोर रहे हैं, जिससे गर्मी अधिक महसूस हो रही है। उन्होंने संभावना जताई कि अप्रैल के दूसरे सप्ताह से ही लू के थपेड़े शुरू हो सकते हैं, जबकि आमतौर पर लू मई के मध्य से चलती है।

तेज धूप और बढ़ते तापमान से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं, किसान भी चिंतित हैं क्योंकि असमय गर्मी से फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

विकसित भारत युवा संसद महोत्सव

240 युवा विधान भवन में देंगे भाषण

यूनिक समय, लखनऊ। विकसित भारत युवा संसद महोत्सव में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि आज लोग कहते हैं कि विधानसभा में बैठे लोग पढ़े लिखे हैं। पहले मजाक में घरों में कहा जाता था कि जिसे कुछ नहीं आता वो नेता बनेगा। आज ऐसा नहीं है। आज जिसे सब कुछ आता है, वही नेता बनेगा।

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से विधान भवन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अगले दो दिन में 240 युवा विधानसभा में भाषण देंगे। इनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ युवा संसद जाएंगे। इसका उद्देश्य 18 से 33 वर्ष के युवाओं की आवाज को सुनना है। साथ ही युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है।

देश की हर विधानसभा में ये कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लखनऊ विधानसभा में 240 युवाओं

को चुना गया। जिला स्तर पर 24 नोडल केंद्रों में हर जिले के 150 युवाओं को बुलाया गया था। विषय था 'वन नेशन और वन इलेक्शन'। राज्य स्तर पर दो विषय रखे गए हैं। यहां से चुने गए सर्वश्रेष्ठ तीन युवा संसद में पीएम नरेंद्र मोदी के सामने बोलेंगे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद में आए हुए युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में नेगेटिव का परसेप्शन गलत है। आज सदन में डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, व्यापारी, अधिकारी आदि रह चुके हैं। 40 साल में सदन को लेकर बनी नकारात्मकता आज दूर हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि पहले यूपी के युवा पहचान छिपाते थे। आज गर्व से बताते हैं कि मैं उत्तर प्रदेश से हूं। आज मीडिया जनता के सामने विधानसभा का नया स्वरूप ला रहा है। लाइफ में टाइम मैनेजमेंट और कमिटमेंट जरूरी है। लोग अच्छे और खराब हो सकते हैं, लेकिन संस्थाओं का सम्मान बना रहना चाहिए। कुछ लोग व्यक्तिगत फायदे के लिए संस्था को नुकसान पहुंचाते हैं।

अध्यक्ष बोले—सीएम योगी मैनेजमेंट के शिल्पकार

मुझे जरूरत पड़ी तो संस्था के लिए व्यक्तिगत हित कुर्बान हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मैनेजमेंट के शिल्पकार हैं। कुंभ के सफल मैनेजमेंट के लिए यूपी की तारीफ कीजिए। मजाकिया लहजे में उन्होंने कहा कि यहां पर बहुत सारे अधिकारी बैठे हैं। वह परमानेंट बैठने के बारे में सोच रहे होंगे।

इस मौके पर कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को संसद और विधानमंडल कार्यवाही समझने का मंच है। युवा केवल विकास के लाभार्थी ही नहीं बल्कि सारथी हैं। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ध्यान केंद्रित करना होगा। हमारे पास सबसे बड़ी युवा जनसंख्या है। सही दिशा देकर भारत को विकसित बना सकते हैं। हमारा संविधान हमें कर्तव्यों का भी बोध कराता है।

सार संक्षेप

रामजी लाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्यसभा में इस तरह के शब्दों का उपयोग अनुचित है और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

अवैध घुसपैठियों के लिए नया कानून

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 अवैध घुसपैठियों को रोकने के लिए आवश्यक था। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार पर भारत–बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने में अनिच्छा दिखाने का आरोप लगाया।

संभल सांसद का एआईएमपीएलबी को समर्थन

यूनिक समय, नई दिल्ली। सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए एआईएमपीएलबी के काली पट्टी बांधने के आह्वान का समर्थन किया।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि भारत पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले व्यवहार पर कड़ी नजर रखता है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाता है।

ममता बनर्जी की ब्रिटेन यात्रा पर विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने ममता बनर्जी की ब्रिटेन यात्रा को लेकर सवाल उठाए, जबकि दिलीप घोष ने भी उनके खिलाफ बयान दिया।

उत्तराखंड के नए मुख्य सचिव नियुक्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आनंद वर्धन को उत्तराखंड का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया।

मुस्तफाबाद का नाम बदलने की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव विहार करने की मांग की और मंदिरों के पास अवैध मीट की दुकानों को बंद करने की अपील की।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्यपाल को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बल तैनात करने का अनुरोध किया।

कुणाल कामरा के खिलाफ विशेष अधिकार हनन नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधान परिषद में भाजपा नेताओं ने कुणाल कामरा के खिलाफ विशेष अधिकार हनन का नोटिस स्वीकार करवाया।

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के तेज झटकों से भारी तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। शुक्रवार को दक्षिण–पूर्व एशिया में आए शक्तिशाली भूकंप के कारण म्यांमार और थाईलैंड में भारी नुकसान हुआ। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.2, 7.0 और 4.9 मापी गई। ये झटके भारत, चीन और बांग्लादेश तक महसूस किए गए। सबसे अधिक प्रभाव बैंकॉक में देखने को मिला, जहां एक निर्माणाधीन इमारत ढह गई और कई अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचा।

भूकंप के कारण थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में लोग अपने घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। ऊंची इमारतों में लगे अलार्म बजने लगे और कई स्थानों पर मलबा गिरने की घटनाएं सामने आईं। बैंकॉक के विभिन्न इलाकों में ऊंचे छतों पर बने पूलों से पानी सड़कों पर बहने लगा, जिससे अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के पहले दो झटके केवल 12 मिनट के अंतराल पर महसूस किए गए, जिससे स्थानीय लोगों में भय और चिंता का माहौल बन गया। बैंकॉक में भूकंप के प्रभाव से एक निर्माणाधीन इमारत पूरी तरह से धराशायी हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग मलबे में दब गए। बचाव दल ने सात लोगों को जीवित निकालने में सफलता पाई, जबकि अन्य की तलाश जारी है। राहत एवं बचाव कार्य पूरे जोर–शोर से चलाया जा रहा है।

भूकंप के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हुए, जिनमें देखा गया कि किस तरह इमारतें हिल रही हैं और लोग डर के मारे बाहर भाग रहे हैं। बैंकॉक के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में लोग इमारतों से निकलकर सड़कों पर आ गए और सुरक्षित स्थानों की तलाश करने लगे।

म्यांमार की राजधानी नेपीता में भी भूकंप का असर देखने को मिला। यहां धार्मिक स्थलों को क्षति पहुंची, और कई ऐतिहासिक इमारतों के कुछ हिस्से गिर गए। गृहयुद्ध के कारण वहां से पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार कई घर और अन्य इमारतें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। भूकंप की भयावहता को देखते हुए म्यांमार और थाईलैंड में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। बैंकॉक में स्टॉक एक्सचेंज ने व्यापार को अस्थायी रूप से रोक दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि पहले दोनों भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में आए, जबकि तीसरा भूकंप 22.5 किलोमीटर की गहराई में था। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने स्थिति की समीक्षा के लिए आपातकालीन बैठक बुलाई है। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र, जहां 1.7 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं, में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, म्यांमार के मांडले में प्रसिद्ध इरावदी नदी पर बना अवा ब्रिज भूकंप के झटकों से गिर गया है। इस क्षेत्र में कई इमारतें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। भूकंप के झटकों के कारण बैंकॉक और म्यांमार के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की जा रही है, और बचाव कार्य तेजी से जारी है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को घरों और दफ्तरों में अनावश्यक रूप से न रुकने की सलाह दी है।

बैंकॉक में इमारत धराशायी, दो की मौत

सोशल मीडिया पर वायरल हुई तबाही की तस्वीरें

भूकंप के झटकों से हिला कोलकाता,मणिपुर, मेघालय

यूनिक समय, नई दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भूकंप का झटका इतना तेज आया कि इसके प्रभाव से कोलकाता भी हिल गया। भारत के कई अन्य हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों में एक के बाद एक भूकंप के झटकों ने लोगों के मन में खौफ भर दिया है। शुक्रवार को भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में भूकंप के भयंकर झटके लगे हैं। इस भूकंप का असर थाईलैंड तक देखने को मिला है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया है। इस शक्तिशाली भूकंप के बाद शुक्रवार को भारत के भी कई राज्यों में भूकंप के झटके लगे हैं। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता, मणिपुर की राजधानी इंफाल में भी हल्के झटके महसूस हुए। इसके अलावा पूर्वोत्तर

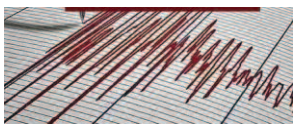

भारत के राज्य मेघालय में भी शुक्रवार को भूकंप आया है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शुक्रवार को 7.7 की तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद कोलकाता और इंफाल में हल्के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में था। कोलकाता और इसके आस–पास के इलाकों में हल्के झटके महसूस किए गए। वहीं, भूकंप के झटकों से इंफाल के थंगल बाजार के निवासियों में डर फैल गया। मिली जानकारी के मुताबिक, भूकंप के कारण अब तक संपत्ति के नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

पूर्वोत्तर भारत के राज्य मेघालय में शुक्रवार को आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, ये भूकंप मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स में आया है। इस भूकंप का केंद्र धरती से 5 किलोमीटर भीतर बताया गया है। बीते कुछ दिनों में भारत समेत पूरी दुनिया में भूकंप की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। दरअसल, हमारी धरती के भीतर 7 टेक्टोनिक प्लेट्स हैं। ये प्लेट्स लगातार अपने स्थान पर घूमते रहती हैं। हालांकि, ये प्लेट्स कई बार फॉल्ट लाइन पर टकराती हैं, जिससे घर्षण पैदा होता है। इस घर्षण से निकली ऊर्जा बाहर निकलने का रास्ता तलाशती हैं। इसी कारण धरती पर भूकंप की घटनाएं देखने को मिलती हैं।

बीपीएससी परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका हाइकोर्ट से खारिज

यूनिक समय, पटना। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, जन सुराज के संरक्षक प्रशांत किशोर, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के साथ ही कांग्रेस के नंबर वन नेता राहुल गांधी ने बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जिस आंदोलन में भागीदारी की थी, शुक्रवार को पटना हाई कोर्ट ने उसपर अहम फैसला सुना दिया।

बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका पटना हाइकोर्ट ने खारिज कर दी है। अब पूर्व में जारी किया गया रिजल्ट लागू रहेगा। इससे पहले कुछ शर्तों के साथ बिहार लोक सेवा आयोग ने गुरुवार को 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम जारी किया था। उसमें शर्तें थीं कि एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर याचिका सीडब्ल्यूआईसी- 369/2025 में पारित आदेश के फलाफल से परीक्षा परिणाम प्रभावित होगा। साथ ही जिन अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा प्रतिवारित किया गया है और भविष्य में प्रतिवारित किया जाना है उनकी भी अभ्यर्थिता प्रभावित होगी। लेकिन कोर्ट से अब आए फैसले ने सभी शर्तों को खत्म कर दिया है और रिजल्ट पहले वाला ही लागू रहेगा।

दरअसल, बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा हंगामे के कारण विवादों में आ गई थी। पटना के एक परीक्षा केंद्र की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद हंगामे ने पैर पसारना शुरू किया। आयोग ने उस परीक्षा केंद्र पर पुनर्परीक्षा ले ली, लेकिन वह हंगामा शांत नहीं हुआ। बीपीएससी अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र में देर से प्रश्नपत्र देने, परीक्षा कक्ष में प्रश्नपत्रों के कम–ज्यादा होने, एक–दूसरे रूप में खुले में ले जाए जाने, परीक्षा के दौरान उत्तरपुस्तिका छीन–झपट जैसे मुद्दों को जोड़ते हुए पेपर लीक तक का आरोप लगाया था।

लागू रहेगा जारी रिजल्ट

इन आरोपों के साथ परीक्षार्थियों का हंगामा शुरू तो छोटे स्तर पर हुआ, लेकिन फिर राजनीति के दिग्गजों का घुसना शुरू हुआ और मामला बढ़ता गया। पहले विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव घुसे। फिर निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव। उसके बाद कमान संभाल ली जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने। इस क्रम में दो बार पुलिस से आंदोलनकारियों की झड़प भी हुई। कई कोचिंग संचालकों पर प्राथमिकी भी। अब तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना आने पर बीपीएससी आंदोलनकारियों के साथ खड़े होकर गए हैं। इन नेताओं में प्रशांत किशोर ने दो बड़े काम किए। एक तो उन्होंने लंबी भूख हड़ताल की और दूसरी कि हाईकोर्ट में परीक्षार्थियों से एक याचिका दायर करवा दी। बीपीएससी ने जो शर्तें लिखी हैं, उसके

बजिंदर सिंह 2018 रेप मामले में दोषी करार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बजिंदर सिंह का हाल ही में एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह एक युवक को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने दावा किया कि यह वीडियो फेक है। पीड़ित लड़के ने कहा था कि वीडियो एआई की मदद से बनाया गया।

2018 रेप मामले में स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह को दोषी करार दिया गया है। इस मामले में कोर्ट एक अप्रैल को सजा सुनाएगा। बजिंदर सिंह पर कई गंभीर आरोप लग चुके हैं। वर्ष 2018 में बजिंदर पर रेप का केस दर्ज हुआ था। उन पर जीरकपुर की महिला ने यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। बजिंदर पर महिला ने आरोप लगाया था कि उसने यौन उत्पीड़न का वीडियो बनाया और धमकी दी। इस मामले में बजिंदर के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी हुआ था और बाद में उसकी गिरफ्तारी हुई थी। बजिंदर सिंह के खिलाफ दो दिन पहले ही मोहाली में मारपीट का मामला दर्ज हुआ था। इससे पहले फरवरी में भी एक महिला ने बजिंदर पर यौन शोषण का आरोप लगाया था।

बजिंदर सिंह चमत्कार करने के झूठे दावों के चलते चर्चा में आए थे। वह अपने चमत्कार के जरिए कई लोगों की बीमारी ठीक करने का दावा करते हैं। बड़ी संख्या में उनके समर्थक इन दावों पर यकीन भी करते हैं, लेकिन अब बजिंदर सिंह की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

पंजाब पुलिस ने मंगलवार (25 मार्च) को एक महिला की शिकायत के आधार पर बजिंदर सिंह के खिलाफ मारपीट और अन्य आरोपों में मामला दर्ज कर लिया है। कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक द्वारा महिला को थप्पड़ मारते हुए और उससे बहस करते हुए देखा गया था। मोहाली पुलिस ने 35 वर्षीय महिला द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय में शिकायत किए जाने के बाद दर्ज हुए मामले की जांच शुरू की। वह मंगलवार को मुल्लापुर में पुलिस के समक्ष पेश हुई और अपना बयान दर्ज कराया।

1 अप्रैल को सजा सुनाएगा कोर्ट

बजिंदर सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली महिला मंगलवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुई। पंजाब में जालंधर के रहने वाले पादरी बजिंदर सिंह (42) के खिलाफ 22–वर्षीय महिला की शिकायत के बाद यौन उत्पीड़न का मामला 28 फरवरी को दर्ज किया गया था।

महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि बजिंदर सिंह उसे संदेश भेजता रहता था और प्रत्येक रविवार को चर्च के एक कमरे में उसे अकेले बैठाता था। इस दौरान वह उसे गलत तरीके से छूता था। पुलिस ने पादरी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न), 354डी (पीछा करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053